नई दिल्ली । बुधवार, 17 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :162/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12



# दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एफआईएच महिला नेशंस कप : भारत ने जापान को...
@ विचार राम नाम जपना पराया माल अपना!..
@ व्यापार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार...

## ‘जी-7 मंच फिर साथ आए मोदी-ट्रंप दुनिया की निगाहें द्विपक्षीय वार्ता पर’

### दोनों नेताओं ने मुलाकात के दौरान गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया

एजेंसी ■ एवियन (फ्रांस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 समिट के एक आउटरीच सत्र से पहले मुलाकात की और एक-दूसरे का अभिवादन किया।

दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया और जी-7 के ‘नई साझेदारी बनाना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना’ विषय पर होने वाले सत्र से पहले थोड़ी बातचीत की। इस सत्र में जी-7 देशों के अलावा साझेदार देश, विश्व बैंक और अफ्रीकी विकास बैंक भी शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक में आर्थिक विकास, सप्लाई चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), निवेश साझेदारी और दुनिया की सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।



यह पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ हुए सफल ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच पहली द्विपक्षीय बैठक होगी।

व्हाइट हाउस ने बताया कि यह बैठक दोनों नेताओं के उस वर्किंग लंच में शामिल होने से पहले होगी जिसमें जी-7 नेता, आउटरीच पार्टनर और टेक्नोलॉजी कंपनियों के अधिकारी शामिल होंगे। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी का जी-7 समिट में पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने मुलाकात के दौरान गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। इस मौके पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य जी-7 नेता भी मौजूद थे। एवियन पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह दुनिया के नेताओं से मिलने और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘जी-7 समिट के लिए एवियन, फ्रांस पहुंच गया हूं। दुनिया के नेताओं के साथ बातचीत करने और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने को लेकर उत्सुक हूं। भारत एक ज्यादा टिकाऊ और समृद्ध दुनिया के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।’

## संक्षिप्त खबर

### तृणमूल नेता मोइदुल इस्लाम गिरफ्तार

**कोलकाता।** बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं, जबरन वसूली और गंभीर अपराधों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में मंगलवार सुबह डायमंड हार्बर थाना पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के शिक्षक संगठन के शीर्ष नेता मोइदुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व में माकपा समर्थक रहे मोइदुल बाद में तृणमूल में शामिल हो गए थे और उन्हें डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी के अत्यंत करीबी और प्रभावशाली नेताओं में गिना जाता है। इससे पहले अभिषेक के करीब शौकत मोल्ला और जहांगीर खान जैसे तृणमूल नेताओं को गिरफ्तारी हो चुकी है।

### टिन्नू यादव के घर से करोड़ों का सोना जब्त

**अयोध्या।** रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर के खजाने और चढ़ावे में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) 15 जून 2026 को अयोध्या पहुंची। टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से छह घंटे तक पूछताछ की और डिजिटल साक्ष्य खंगाले। कार्रवाई से पहले, पांच मुख्य संदिग्धों से करीब दो करोड़ रुपये नकद, एक लग्जरी कार और तीन आईफोन बरामद हुए। इस घोटाले में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के करीबी सहयोगी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू का नाम सामने आया है। 13 जून 2026 को टिन्नू के पैतृक आवास पर छापेमारी में भारी मात्रा में शुद्ध सोना जब्त किया गया।

### अच्छे कामों के क्रेडिट पर जिम्मेदारी लेनी होगी : सुनील आंबेकर

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में आयोजित देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान-2026 के कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एआई, पत्रकारिता, सामाजिक जिम्मेदारी और देश के विकास को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद मानव बुद्धि और विवेक का कोई विकल्प नहीं है तथा देश में सकारात्मक माहौल को और मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अच्छे कामों के क्रेडिट की तरह ही परेशानियों की जिम्मेदारी लेनी होगी। एआई के बढ़ते प्रभाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्यों का कोई विकल्प नहीं है। भगवान ने इंसान को विशेष क्षमता दी है कि वह अपनी बुद्धि और विवेक से विचार, चिंतन कर निर्णय ले सकता है।

## भवानीपुर चुनाव परिणाम को ममता बनर्जी ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

### मतगणना में गड़बड़ी और मारपीट का लगाया आरोप

एजेंसी ■ कोलकाता



पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव परिणाम को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए उसकी वैधता की जांच कराने की मांग की है। मंगलवार को ममता बनर्जी स्वयं हाईकोर्ट पहुंचीं और चुनाव याचिका दायर की।

याचिका में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भवानीपुर सीट पर मतगणना निष्पक्ष तरीके से नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि 12 राउंड की काउंटिंग के बाद उन्हें और उनके चुनाव एजेंट को मतगणना केंद्र से बाहर कर दिया गया। इतना ही नहीं, उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट भी की गई। ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य की कई सीटों पर जानबूझकर मतगणना रोकी गई और भाजपा तथा चुनाव आयोग ने मिलकर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों के दबाव में काम किया गया, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। गौरतलब है कि भवानीपुर विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों के अंतर से पराजित किया था। ममता इस सीट से लगातार तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव परिणाम आने से पहले और बाद में भी उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे।

## देश के कई राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट, तेज हवाओं की चेतावनी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाले कुछ दिनों के लिए बारिश, गरज-चमक के साथ आंधी और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने दिल्ली के मौसम को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में गरज के साथ तूफान और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। तेज हवाओं के झोंकों के साथ बारिश होने की उम्मीद है। मंगलवार को अधिकतम तापमान फिलहाल 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जो अगले पांच से सात दिनों में 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत में हल्की से तेज बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश होने की संभावना है। मध्य भारत, पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी है। पहाड़ी क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। अहमदाबाद में आईएमडी के डायरेक्टर अशोक कुमार दास ने बताया कि 18 जून तक गुजरात के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 16 जून को बनासकांठा, साबरकांठा और अरावली जिलों में बारिश का पूर्वानुमान है।

## दिल्ली-एनसीआर को दहलाने की साजिश नाकाम

### पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा था नेटवर्क; 7 गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और ईस्टर्न रेंज की टीम ने एक बड़े पाकिस्तान समर्थित अंतरराष्ट्रीय आतंक-अपराध मॉड्यूल का भांडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल का संचालन पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर-टर्न्ड-टेररिस्ट शाहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर कर रहे थे। इस सफल ऑपरेशन में 7 प्रमुख संचालकों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे दिल्ली-एनसीआर में कई संभावित आतंकी हमलों को रोका जा सका है।



**ऑपरेशन की सफलता**

स्पेशल सेल की टीम, इंस्पेक्टर राहुल कुमार, विनीत कुमार तेवतिया और अजीत कुमार के नेतृत्व में और एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट के मार्गदर्शन में लंबे समय से इस नेटवर्क पर नजर रखे हुए थी। मई 2026 के मध्य में मिले खुफिया इनपुट के आधार पर कार्रवाई शुरू हुई। टीम ने लोनी, गाजियाबाद के मोहित को यमुना विहार के पास गिरफ्तार किया, जिसके पास से एक अवैध पिस्तौल और चैट्स बरामद हुए। आगे की पूछताछ में पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ।

**गिरफ्तार आरोपी**

अनास त्यागी (26 वर्ष, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद) – शाहजाद भट्टी और अजमल गुज्जर से सैकड़ों बार संपर्क। मोहित योगी (26 वर्ष, सरस्वती विहार, लोनी) – अजमल गुज्जर से हजारों बार बातचीत। दीपक अग्रोला (38 वर्ष, ट्रॉनिका सिटी, गाजियाबाद) – 23 आपराधिक मामले, जेल से ही संपर्क बनाए रखा। आरिफ (30 वर्ष, लोनी) – हथियार और ड्रग्स के मामलों में संलिप्त सहित अन्य को गिरफ्तार किया गया है।

## दुनिया के केंद्रीय बैंक पांच वर्षों में बढ़ाएंगे अपना गोल्ड रिजर्व

**नई दिल्ली।** दुनिया के केंद्रीय बैंक अगले पांच वर्षों में गोल्ड रिजर्व में बढ़ाएंगे और इस दौरान कुल रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी में कमी देखने को मिलेगी। यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी किए गए सर्वेक्षण में दी गई। डब्ल्यूजीसी के सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व सर्वे 2026 में बताया गया कि 2026 में 84 प्रतिशत केंद्रीय बैंकों का मानना है कि अगले पांच वर्षों में उनके कुल रिजर्व में गोल्ड की हिस्सेदारी बढ़ेगी। पिछले साल यह आंकड़ा 76 प्रतिशत पर था। डब्ल्यूजीसी के इस सर्वेक्षण में दुनिया के 73 केंद्रीय बैंक शामिल हैं, जिसमें से 17 विकसित अर्थव्यवस्थाओं और 56 विकाशील अर्थव्यवस्थाओं से हैं। डब्ल्यूजीसी के सर्वेक्षण में 74 प्रतिशत उत्तदाताओं ने कहा कि अगले पांच वर्षों में डॉलर की हिस्सेदारी कुल रिजर्व में कम होगी।

## केंद्र सरकार की रोक के बाद गूगल प्ले स्टोर से हटाया गया टेलीग्राम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले केंद्र सरकार द्वारा टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के फैसले के बाद यह ऐप भारत में गूगल प्ले स्टोर से हटा दिया गया है।

इस वजह से नए यूजर्स फिलहाल गूगल के आधिकारिक एंड्रॉएड ऐप स्टोर के जरिए टेलीग्राम डाउनलोड नहीं कर पा रहे हैं। यह कदम परीक्षा से जुड़े कथित फर्जीवाड़े, गलत जानकारी फैलाने और नकल के नेटवर्क को रोकने के लिए उठाया गया है, जो कथित रूप से टेलीग्राम के माध्यम से संचालित हो रहे थे। हालांकि, टेलीग्राम अभी भी एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है।

यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। सरकार का कहना है कि यह कदम 21 जून को होने वाली नीट (यूजी) पुनर्परीक्षा से पहले परीक्षा से जुड़े फर्जीवाड़े, गलत सूचना अभियानों और नकल के नेटवर्क को रोकने के लिए जरूरी था। एनटीए के अनुसार, यह प्रतिबंध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत लगाया गया है और यह परीक्षा अवधि तथा उसके तुरंत बाद के समय तक लागू रहेगा। एजेंसी ने कहा कि टेलीग्राम के कई चैनल और समूह कथित रूप से परीक्षा पेपर लीक से जुड़े भ्रामक दावे फैलाने और छात्रों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के नाम पर ठगने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे।

## मैं नहीं होता तो इजरायल तबाह हो चुका होता लेबनान पर जिम्मेदारी से काम लें नेतन्याहू : ट्रंप

**एवियन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एवियन में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी संग संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान, इजरायल, लेबनान और ईरान से जुड़े मुद्दों पर कड़ा बयान दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अगर वो न होते तो इजरायल तबाह हो चुका होता।

विभिन्न वैश्विक मुद्दों को लेकर थानी और ट्रंप के बीच बातचीत की। जी7 सम्मेलन से इतर ट्रंप ने अमीर से द्विपक्षीय बातचीत की। मुश्किल घड़ी में सयंम से काम करने के लिए प्रशंसा की और अमेरिका के लिए उन्हें अहम बताया।

इस दौरान, ट्रंप ने इजरायल, नेतन्याहू, ईरान समझौते और लेबनान को लेकर अपनी राय जाहिर की। उन्होंने कहा, ‘इजरायल का अस्तित्व और उसकी सुरक्षा में अमेरिका की भूमिका निर्णायक रही है। उनके नेतृत्व के बिना इजरायल की स्थिति कमजोर हो सकती थी, क्योंकि अन्य कोई राष्ट्रपति वह कदम उठाने को तैयार नहीं था जो उन्होंने उठाए।’ बीबी (इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू) के साथ अपने संबंधों को ‘बेहद अच्छा’ बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अब उन्हें ‘लेबनान के संदर्भ में अधिक जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।’ लेबनान की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा, ’यह देश पहले शिक्षकों, डॉक्टरों और वकीलों के लिए जाना जाता था, लेकिन अब इसकी स्थिति काफी खराब हो चुकी है।’ ट्रंप ने कहा, ‘इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष बहुत लंबे समय से चल रहा है और इसमें बहुत अधिक लोगों की जान जा रही है।

## रायपुर से अंबिकापुर तक 5 जिलों में ईडी की छापेमारी

### जांच एजेंसी ने उन लोगों को घेरे में लिया है जो पिछले कुछ सालों में सरकारी ठेकों में शामिल रहे है

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मंगलवार की सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की टीम ने एक साथ पांच जिलों में बड़ी कार्रवाई की है। ष्ठरूस्न (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन) घोटाले की जांच को लेकर ईडी के अधिकारी रायपुर, दुर्ग, धमतरी, अंबिकापुर और महासमुंद में अलग-अलग ठिकानों पर पहुंच गए हैं। राजधानी के वल्लभ नगर से लेकर सरगुजा तक ईडी का यह एक्शन सुर्खियों में है।

**इन रसूखदारों के घर पहुंची ईडी**

जांच एजेंसी ने उन लोगों को घेरे में लिया है जो पिछले कुछ सालों में सरकारी ठेकों और सप्लाई में शामिल रहे हैं। रायपुर में कारोबारी शाश्वत लुणावत के घर पर टीम मौजूद है। वहीं धमतरी में ठेकेदार दीपेश गांधी के आमापारा स्थित घर पर ईडी ने डेरा जमा लिया है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी के अधिकारी घर के अंदर दस्तावेजों को खंगाल रहे हैं और बाहर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

**मोबाइल जब्त, बाहर जाने पर रोक**

धमतरी में हुई छापेमारी को लेकर खबर है कि टीम ने घर में मौजूद सभी लोगों के मोबाइल अपने कब्जे में ले लिए हैं। ताकि बाहर किसी से संपर्क न हो सके। ठेकेदार दीपेश गांधी के यहां से फाइनेंशियल रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा जुटाया जा रहा है। ये कार्रवाई सीधे तौर पर डीएमएफ फंड के दुरुपयोग और लेन-देन से जुड़ी बताई जा रही है। अंबिकापुर में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के फर्म मानसून एग्रो पर ईडी ने छापा मारा है। राकेश गुप्ता कृषि विभाग में बड़े सप्लायर रहे हैं। पिछली सरकार के दौरान उनके फर्म के जरिए हुए कामों पर ईडी की पैनी नजर है। टीम पिछले कुछ घंटों से सप्लायर रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रांजेक्शन और सप्लाई चेन की बारीकी से जांच कर रही है।

बता दें कि ईडी अब उन सभी संपर्कों को खंगाल रही है, जिनका सीधा संबंध डीएमएफ फंड के बंदरबांट से है। फिलहाल किसी भी तरह की गिरफ्तारी की खबर नहीं है, लेकिन जिस तरह से दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में कुछ और बड़े नाम जांच के दायरे में आ गया।

## वायुसेना अधिकारी की पत्नी से दुष्कर्म

### ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्मांतरण का आरोप, दो गिरफ्तार

एजेंसी ■ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की 24 वर्षीय पत्नी के साथ कथित दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली और धर्मांतरण कराने के गंभीर मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में एक मौलाना अब भी फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे पीड़िता का स्कूल का सहपाठी रहा है। शिकायत के मुताबिक फरवरी 2025 में अयाज ने प्लॉट खरीदने के बहाने महिला से संपर्क किया। आरोप है कि उसने वर्धा रोड स्थित एक होटल में महिला को बुलाया, जहां उसे नशीला पदार्थ मिला जूस पिलाया गया। बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया गया और आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए गए।

पीड़िता का आरोप है कि बाद में इन्हीं वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल किया गया। आरोपी ने कई बार उसका यौन शोषण किया और उससे करीब चार लाख रुपये भी वसूले। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि उस पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया गया तथा धार्मिक रस्मों के नाम पर कई गतिविधियां कराई गईं।

शिकायत के अनुसार, 31 मई को आरोपी उसे जबरन नागपुर के समीप कलमेश्वर क्षेत्र ले गया, जहां उसकी मुलाकात अमीन शेख और एक मौलाना से कराई गई। महिला का आरोप है कि सुनसान स्थान पर उससे जबरन ‘कबूल है’ कहलवाया गया और दावा किया गया कि उसका धर्मांतरण कर अयाज मदारे से निकाह करा दिया गया है।

# जीएनएफसी के 50 साल : गुजरात के सीएम ने 2047 के लिए 70,000 करोड़ रुपए का विजन रखा

**भरूच।** मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी) से कहा कि वह 2047 तक अपने मौजूदा प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो को लगभग 7,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 70,000 करोड़ रुपए करे। इससे यह सरकारी कंपनी भारत के 'विकसित' और 'आत्मनिर्भर राष्ट्र' बनने के लक्ष्य में अहम योगदान देने वाली कंपनी बन जाएगी।

पटेल ने भरूच जिले के नर्मदा नगर में जीएनएफसी के गोल्डन जुबली समारोह में बोलते हुए कहा कि कंपनी का पांच दशक का सफर गुजरात के औद्योगिक विकास, कृषि विकास और आत्मनिर्भरता के व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्य में उसके योगदान को दर्शाता है। जीएनएफसी की पांच दशकों की सफलता गुजरात के विकास, किसानों की समृद्धि और 'आत्मनिर्भर भारत' में योगदान की एक अनोखी कहानी है।

उन्होंने कंपनी से कहा कि वह 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुसार अपना लॉन्ग-टर्म रोडमैप लागू करे और आने वाले दशकों में अपनी निवेश योजनाओं को काफी बढ़ाए। गुजरात सरकार ने भी एक लॉन्ग-टर्म रणनीति के जरिए राज्य के छह क्षेत्रों में संतुलित और व्यापक विकास के लिए 'विकसित गुजरात 2047' रोडमैप तैयार किया है।

उन्होंने जीएनएफसी की गोल्डन जुबली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शासन के 12 साल पूरे होने से जोड़ते हुए कहा, 'इस दौरान भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है।' उन्होंने इस प्रगति में पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) की अहम भूमिका का जिक्र किया और कहा कि पीएम मोदी ने प्रोफेशनल अप्रोच के जरिए पीएसयू को ज?यादा कुशल, पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और लाभदायक बनाया है।

पटेल ने बताया कि जीएनएफसी की स्थापना अच्छी क्वालिटी के फर्टिलाइजर की सप्लाई के जरिए कृषि उत्पादकता को सपोर्ट करने के साथ-साथ केमिकल सेक्टर में आत्मनिर्भरता में योगदान देने और सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण की स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। उन्होंने कंपनी के 'नीम प्रोजेक्ट' पर भी प्रकाश डाला, जिसके तहत नीम के बीज के तेल का इस्तेमाल यूरिया की कोटिंग और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स के उत्पादन के लिए किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को नीम के बीज इकट्ठा करने के काम में शामिल किया गया, जिससे 4.50 लाख से ज?यादा महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने में मदद मिली।

# अलनीनो की आशंका के बीच खरीफ 2026 की तैयारी तेज, शिवराज सिंह ने दिए अग्रिम कार्ययोजना बनाने के निर्देश

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कृषि भवन में उच्चस्तरीय साप्ताहिक कृषि समीक्षा बैठक की। बैठक में खरीफ 2026 के लिए की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। उन्होंने संभावित अल नीनो परिस्थितियों के बीच कपास का उत्पादन बढ़ाने, दलहन में आत्मनिर्भरता और कम बारिश वाले जिलों के लिए अग्रिम आपातकालीन कार्ययोजना पर विशेष जोर दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि बैठक में अल नीनो की संभावित स्थिति पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में कम बारिश या वर्षा में असमानता की आशंका है, वहां पहले से पूरी तैयारी की जाए। ऐसे जिलों की पहचान कर राज्य सरकारों के साथ मिलकर फसलवार आकस्मिक योजना तैयार की जाए, ताकि किसी भी मौसमी चुनौती की स्थिति में किसानों को तुरंत विकल्प, सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

खरीफ 2026 के लिए फसलवार लक्ष्य, बुवाई की प्रगति और राज्यवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए कपास उत्पादन बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। वैज्ञानिक तरीकों, सही किस्मों के चयन, अंतर फसली खेती, मल्चिंग और नमी संरक्षण जैसे उपायों को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि कपास की उत्पादकता और किसानों की आय दोनों में वृद्धि हो। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। हमारा प्रयास है कि अरहर, उड़द और मूंग जैसी दालों में देश अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बने और किसानों की आय सुरक्षित हो सके।

# भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गिनाईं पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां

**जोधपुर (राजस्थान)।** भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल पूरे होने के मौके पर उपलब्धियां गिनाईं।

सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हर क्षेत्र में विकास की दोहरी गति देखने को मिल रही है। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने का काम किया है कि विकास के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। आज की तारीख में हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।

भाजपा सांसद के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में ऐसा पहली बार देखने को मिला है कि जब आतंकवाद और नक्सलवाद को दोहरी चोट पहुंची है। आज की तारीख में नक्सलवाद की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि वो दम तोड़ रही है। हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि हर जगह शांति की स्थापना हो।

उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले तक मोबाइल फोन के मैन्युफैक्चरिंग विदेश में होती थी। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की बदौलत इनकी मैन्युफैक्चरिंग देश में ही रही है। देश में ही हर प्रकार के मोबाइल फोन का असेंबल हो रहा है। इस वजह से हमारे युवाओं को यहीं पर रोजगार मिल रहा है।

इसके अलावा, उन्होंने भारत के विकास पर भी अपनी बात रखी। उनके मुताबिक, पिछले कुछ सालों में वैश्विक मोर्चे पर एक नहीं, बल्कि कई तरह की चुनौतियां पैदा हुई हैं। मसलन, कोरोना की वजह से पैदा हुई चुनौतियां, रूस और यूक्रेन की वजह से मिली चुनौतियां। इन चुनौतियों के बीच में भारत ने तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ने का काम किया है, जिसके लिए हमें अपने नीति निर्माताओं की सराहना की जानी चाहिए। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वांगीण विकास के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा सांसद के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। युवाओं के रोजगार देने की दिशा में महत्वाकांक्षी योजनाओं को तैयार करके उसे धरातल पर उतारने का काम किया है। यही कारण है कि आज की तारीख में हमें हर क्षेत्र में विकास के कार्य दोहरी गति से होते हुए दिख रहे हैं। इस बीच, इन सालों में केवल एक ही पार्टी है, जो देश के युवाओं को आवाज देने की कोशिश कर रही है। उनके लिए काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर से लेकर असम तक इस राजनीतिक दल ने लोगों को एकजुट करने का काम किया है।

इसके साथ ही, उन्होंने विरोध प्रदर्शन के हिंसात्मक होने पर भी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, हम हमेशा से ही इस बात की पैरोकारी करते हुए आ रहे हैं कि इस देश में कोई भी विरोध प्रदर्शन हो। चाहे वो किसी दल का दो या किसी राजनीतिक मोर्चे का हो।

# दिल्ली-एनसीआर निवासियों को गर्मी से राहत मिली, बारिश के बाद तापमान में 9 डिग्री की गिरावट

**नई दिल्ली।** मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हुई हल्की बारिश ने निवासियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई।

मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के बाद अधिकतम तापमान में लगभग 9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई, जिससे निवासियों को ठंडक का एहसास हुआ।

बारिश के बाद, मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में रुक-रुक कर बारिश, गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों के पूर्वानुमान में कहा है कि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। आर्द्रता 65 से 40 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। 19 जून से तापमान में फिर से वृद्धि शुरू हो सकती है।

आईएमडी ने 16 से 22 जून के बीच राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा की भविष्यवाणी की है।

इन दिनों में से अधिकांश समय के लिए मौसम विभाग ने गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। अच्छी खबर यह है कि 17 से 21 जून तक की अवधि के लिए कोई विशेष मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

एक बयान में कहा गया कि 16 और 17 जून को और 19 से 22 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 17 जून को भी यही स्थिति रहेगी।

कुछ मौसम विशेषज्ञों का मानना ??है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसम संबंधी गतिविधियों के प्रभाव से जून महीने में भीषण गर्मी के बावजूद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मौसम सुहावना रहने की संभावना है। साथ ही, आर्द्रता बढ़ने की संभावना को देखते हुए बारिश की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल, तापमान में आई भारी गिरावट से लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है, और आने वाले दिनों में भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की उम्मीद है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह भी दी है।

# गठबंधन की लुटिया डुबोने वाली कांग्रेस अब गठबंधन का पाठ पढ़ा रही: रोहन गुप्ता

**अहमदाबाद।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा इंडिया गठबंधन के नेताओं को दी गई नसीहत पर भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर अपने राजनीतिक हितों के लिए सहयोगी दलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज वही पार्टी दूसरों को गठबंधन धर्म का पाठ पढ़ा रही है, जिसने स्वयं इंडिया गठबंधन को कमजोर किया है।

रोहन गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने इंडी गठबंधन की लुटिया डुबो दी, आज वही अपने सहयोगी दलों को सलाह दे रही है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन के बाद इंडिया गठबंधन पूरी तरह बिखर चुका है। हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने निजी स्वार्थों के चलते गठबंधन के साथियों के हितों की अनदेखी की।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करने की जरूरत है कि वह इंडिया गठबंधन का उपयोग अपनी सत्ता बचाने के लिए कर रही है या वास्तव में सहयोगी दलों के हितों के लिए। उन्होंने कहा कि भाषण देना और उस पर अमल करना दो अलग-अलग बातें हैं और आने वाले समय में गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस की बातों पर भरोसा नहीं करेंगे।

केरल के मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यक्रम में कुलपति के शामिल होने पर जताई गई नाराजगी पर भी रोहन गुप्ता ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम में जाना किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद होती है। अगर कोई वाइस चांसलर आरएसएस के किसी कार्यक्रम में शामिल होता है तो उस पर इतनी आपत्ति क्यों? इतनी नफरत क्यों? यह सवाल पूछना इसलिए जरूरी है क्योंकि हमने खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें वीडी सतीशन भी शामिल हैं, की आरएसएस कार्यक्रमों में भागीदारी की तस्वीरें और खबरें देखी हैं।

क्या सीएम बनते ही उनके मापदंड बदल गए? या फिर तुष्टिकरण की राजनीति इतनी मजबूत हो गई है कि आरएसएस के कार्यक्रम में जाने पर आपत्ति जताने से उनकी राजनीतिक दुकान चलती रहे? देश की जनता इसी मानसिकता से परेशान है।

उन्होंने कहा कि अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाना हर किसी का अधिकार है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि दूसरा कोई अपनी बात रखे या अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाए तो उसे नफरत का ठप्पा लगा दिया जाए। जो लोग मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, वही नफरत के पकवान परोस रहे हैं। यह उनकी दोहरी मानसिकता का सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यमंत्री कहते हैं कि कांग्रेस मतलब मुसलमान और तब न संविधान खतरे में पड़ता है, न उनकी राजनीति। लेकिन जब आरएसएस या किसी अन्य विचारधारा का कार्यक्रम हो तो तुरंत आपत्ति। यह दोहरा मापदंड बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

# चंडीगढ़: सीबीआई ने आईडीएफसी धोखाधड़ी मामले में पहला आरोप पत्र दाखिल किया

**चंडीगढ़।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को चंडीगढ़ के विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) की अदालत में चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी साइंस एंड टेक्निकल प्रमोशन सोसाइटी (सीआरईएसटी) के फंड के दुरुपयोग के संबंध में पहला आरोप पत्र दाखिल किया। इस मामले में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारी, क्रेईएसटी के लोक सेवक और निजी व्यक्ति शामिल हैं। कुल 13 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं, जिनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 5 बैंक अधिकारी, सीआरईएसटी (चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन) के 2 सरकारी कर्मचारी, 2 फर्जी कंपनियां और 4 निजी व्यक्ति शामिल हैं। सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, साक्ष्य नष्ट करने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। वर्तमान मामला सरकारी निधि के दुरुपयोग से संबंधित है, जिसमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों द्वारा सीआरईएसटी के सरकारी कर्मचारियों के साथ आपराधिक मिलीभगत से सीआरईएसटी के बैंक खातों से 75.34 करोड़ रुपए की राशि निकाली गई। निकाली गई धनराशि को बाद में कई निजी व्यक्तियों की मिलीभगत से स्थानांतरित कर दिया गया, जिन्होंने भी इन निधियों से लाभ उठाया है। जांच जारी है और भविष्य में और आरोपपत्र दाखिल किए जाएंगे।

# वायु सेना स्वदेशी कामिकेज ड्रोन करेगी विकसित, 16,000 फीट की ऊंचाई पर भर सकेंगे उड़ान

**नई दिल्ली।** भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी लंबी दूरी के स्वदेशी कामिकेज (वन-वे अटैक) ड्रोन विकसित करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। यह ड्रोन भारतीय उद्योग के सहयोग से तैयार किए जाएंगे।

वायु सेना ने वन-वे अटैक अनमैन्ड एरियल सिस्टम के लिए भारतीय कंपनियों के चयन हेतु सीमित टेंडर जारी किया है। यह कामिकेज ड्रोन परियोजना तमिलनाडु के कोयंबटूर के पास सुलूर स्थित 5 बेस रिपेयर डिपो द्वारा संभाली जाएगी, जिसे इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है।

कामिकेज ड्रोन को 'लोइटरिंग म्यूनिशन' या 'आत्मघाती ड्रोन' भी कहा जाता है। ये एक तरफा (वन-वे) मानव रहित हवाई वाहन होते हैं, जो लक्ष्य क्षेत्र तक पहुंचकर दुश्मन की पहचान करते हैं और टकराकर विस्फोट कर देते हैं।

रक्षा मंत्रालय के फैसले के अनुसार, इस ड्रोन प्लेटफॉर्म के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स भारतीय वायु सेना के पास रहेंगे। इसे पूरी तरह भारत में ही घरेलू कंपनियों और स्टार्टअप्स की मदद से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया जाएगा।

इस परियोजना से जरूरत के अनुसार तेज अपग्रेड, बदलाव और अनुकूलन संभव होगा। आईएएफ के अनुसार, यह लंबी दूरी के कामिकाजे ड्रोन 16,000 फीट तक की ऊंचाई पर काम कर सकेंगे और दिन-रात दोनों समय में संचालित होंगे।

पहले नेशनल डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत को ड्रोन निर्माण में वैश्विक केंद्र बनने के लिए मिशन मोड में काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा था कि यह रणनीतिक स्वतंत्रता और रक्षा तैयारी को मजबूत करने के लिए जरूरी है और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान-इजराइल तनाव तक हाल के संघर्ष दिखाते हैं।

# डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश की 'ग्रेट ग्रीन वॉल' पहल के लिए केंद्र से मांगी मदद

**अमरावती ।** आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंगलवार को राज्य की 'ग्रेट ग्रीन वॉल' पहल और 1,050 किलोमीटर लंबी तटरेखा के संरक्षण के प्रयासों के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगी।

दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के दौरान उन्होंने 'ग्रीन इंडिया मिशन' के तहत ज्यादा मदद और विशाखापत्तनम में सोंटयम रोड प्रोजेक्ट के लिए तेजी से वाइल्डलाइफ मंजूरी की भी मांग की।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा कि उन्होंने आंध्र प्रदेश से जुड़े पर्यावरण और वाइल्डलाइफ संरक्षण की कई अहम पहलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'अरण्यराम कॉमन फैसिलिटी सेंटर (ट्रेनिंग और रिसर्च)' को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने पवित्र गोदावरी नदी को म्युनिसिपल और इंडस्ट्रियल प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से सुझाव मांगे। साथ ही, एनएसटीआर क्षेत्र में बेस कैंप की मौजूदा संख्या को 90 से बढ़ाकर 150 करने के लिए भी केंद्र से मदद मांगी। इस पहल से वाइल्डलाइफ की सुरक्षा खासकर बाघों के संरक्षण को काफी मजबूती मिलेगी। साथ ही, स्थानीय चेंचु युवाओं के लिए 'फॉरेस्ट वॉचर' के तौर पर लगभग 300 रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे, जिससे संरक्षण और आदिवासी समुदायों की टिकाऊ आजीविका को एक साथ बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने इन फॉरेस्ट वॉचर्स की गतिशीलता, कार्यक्षमता और कल्याण को बेहतर बनाने के लिए उन्हें मोटरसाइकिल और मुफ्त राशन की सुविधा देने में भी मदद मांगी, ताकि वे दूर-दराज के वन क्षेत्रों में बेहतर ढंग से काम कर सकें।

पवन कल्याण ने पार्वतीपुरम जिले में इंसानों और जानवरों के बीच टकराव को कम करने के लिए ओडिशा से प्रशिक्षित 'कुम्की' हाथियों की जरूरत पर भी चर्चा की। साथ ही, उन्होंने आंध्र प्रदेश में बाघों की आबादी में जेनेटिक विविधता को बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से बाघिनों को लाने के लिए भी बात रखने का अनुरोध किया। डिप्टी सीएम ने बताया कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया और 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय हाथी दिवस' पर व्यक्तिगत रूप से आंध्र प्रदेश आने की इच्छा जताई।

# सर्विस सड़क पर अवैध पार्किंग, जाम से लोग हलाकान, ट्रैफिक पुलिस ने नहीं किया समाधान

## दुर्घटनाओं को वाहन रोजाना देते आमंत्रण

**रायपुर (संवाददाता)।** राजधानी रायपुर की लाइफलाइन मानी जाने वाली रिंग रोड इन दिनों एक नई समस्या से जूझ रही है। तेलीबांधा से टाटीबंध, टाटीबंध से भनपुरी और भनपुरी से विधानसभा जीरो पॉइंट तक सड़क और सर्विस रोड पर घंटों और कई बार दिनों तक खड़े रहने वाले भारी वाहनों ने आम नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क किनारे ट्रकों की लंबी कतारें न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि स्थानीय व्यवसाय और सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर असर डाल रही हैं।

रिंग रोड राजधानी को राष्ट्रीय राजमार्ग और औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन इस सड़क से गुजरते हैं। लेकिन कई जगहों पर ट्रक चालक सड़क और सर्विस रोड को ही अस्थायी पार्किंग के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। नतीजा यह है कि जहां दो लेन का रास्ता होना चाहिए, वहां वाहन चालकों को एक लेन में ही गुजरना पड़ रहा है।

**दुकानदारों का कहना- ग्राहक लौट रहे वापस**

टाटीबंध चौक के पास ऑटो पार्ट्स का व्यवसाय करने वाले राजेश साहू बताते हैं कि सड़क किनारे खड़े ट्रकों का सीधा असर उनके कारोबार पर पड़ रहा है। ग्राहक दुकान तक पहुंचने में असुविधा महसूस करते हैं। कई बार दुकान के सामने ट्रक खड़े रहते हैं, जिससे वाहन पार्क करने की जगह नहीं बचती। ग्राहक आते हैं और लौट जाते हैं। इसका नुकसान हमें उठाना पड़ता है।

भनपुरी क्षेत्र में हार्डवेयर व्यवसाय से जुड़े सुरेश अग्रवाल का कहना है कि समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन इसका समाधान नहीं निकल पाया है। सर्विस रोड आम लोगों और दुकानों तक पहुंचने के लिए बनाई गई थी, लेकिन अब यह ट्रकों की पार्किंग बन गई है। ट्रक खड़े होने से धूल, गंदगी और शोर भी बढ़ता है। इससे व्यापारिक माहौल प्रभावित होता है।

**व्यापारियों ने उठाया सुरक्षा का मुद्दा**

स्थानीय व्यापारी ने बताया कि कई बार ट्रकों की वजह से दुकानों के सामने अंधेरा और अव्यवस्था का माहौल बन जाता है। रात में सड़क किनारे खड़े ट्रकों के कारण असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें भी मिलती हैं। व्यापारियों ने कई बार प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है।

**राहगीरों और दोपहिया चालकों में डर**

रिंग रोड से रोजाना आने-जाने वाले निजी कंपनी के कर्मचारी अमित वर्मा कहते हैं कि ट्रकों के कारण हर दिन जोखिम उठाकर सफर करना पड़ता है। सुबह और शाम के समय ट्रैफिक ज्यादा रहता है। ऐसे में सड़क किनारे खड़े ट्रकों की वजह से अचानक वाहन सामने आ जाते हैं। कई बार दुर्घटना होते-होते बची है।

तेलीबांधा निवासी रीना मिश्रा, जो रोज स्कूटी से कार्यालय जाती हैं, बताती हैं कि महिलाओं और दोपहिया चालकों के लिए यह स्थिति ज्यादा खतरनाक है। रात के समय कई ट्रकों में रिफ्लेक्टर तक नहीं लगे रहते। दूर से पता ही नहीं चलता कि वाहन खड़ा है। अचानक सामने ट्रक दिखता है और ब्रेक लगानी पड़ती है। यह बेहद खतरनाक स्थिति है।

**कर्मचारियों को भी हो रही परेशानी**

भनपुरी स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत गोपीदास का कहना है कि ट्रकों के कारण समय पर कार्यालय पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ट्रकों के कारण सर्विस रोड संकरी हो जाती है। सुबह के समय छोटी-सी बाधा भी लंबा जाम पैदा कर देती है। कई बार ऑफिस पहुंचने में 20 से 30 मिनट अतिरिक्त समय लग जाते हैं।

# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहायक है, मानव बुद्धि का विकल्प नहीं : डेका

## राज्यपाल ने समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन किया

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका डॉ सी.वी. रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं आईसेक्ट इंडिया ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर डेका ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और इसके साथ तकनीक भी निरंतर विकसित हो रही है। ऐसे समय में तकनीक का उपयोग मानव कल्याण, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए होना चाहिए।

**एआई और अन्य नई तकनीकों का उपयोग नवाचार तथा समाज हित में करें**

राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक युग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो चिकित्सा, कृषि, अर्थव्यवस्था और शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में मानव की सहायक बन सकती है, लेकिन यह मानव बुद्धि, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। तकनीक को जीवन में सहायक के रूप में अपनाया जाना चाहिए न कि उसे किसी खतरे के रूप में स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई और अन्य नई तकनीकों का उपयोग नवाचार तथा समाज हित के कार्यों में करें। अपने संबोधन में उन्होंने इंटरनेट के बढ़ते उपयोग पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके सकारात्मक प्रभावों के साथ-साथ नकारात्मक पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। डिजिटल एडिक्शन न हो यह कोशिश करनी चाहिए।

**आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग समय की मांग**

राज्यपाल ने कहा कि मानव सभ्यता का विकास सदैव नवाचार और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से हुआ है। जिस प्रकार अग्नि की खोज ने मानव जीवन को नई दिशा दी, उसी प्रकार आधुनिक विज्ञान और तकनीक भविष्य के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### छत्तीसगढ़ के सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून को एक साथ ग्राम सभा

**रायपुर।** पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास, पंचायतों की वित्तीय स्थिति, आवास योजनाओं, रोजगार, सामाजिक मुद्दों और स्थानीय विकास कार्यों जैसे जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा एवं निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। छत्तीसगढ़ के सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची सहित विभिन्न विषयों पर होगी चर्चा की जाएगी।

**आवास हेतु पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची होगी तैयार**

ग्राम सभा में विशेष रूप से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का अवलोकन एवं वाचन किया जाएगा। ग्राम सभा द्वारा शासन की मार्गदर्शिका एवं एसओपी के अनुसार पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी तथा ग्रामीणों से प्राप्त दावे-आपत्तियों को नियमानुसार प्राप्त कर निराकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद स्थायी प्रतीक्षा सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा।

**जी राम जी के संबंध में ग्रामीणों को दी जाएगी जानकारी**

ग्राम सभा में पूर्व बैठक के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्यों की प्रगति, तथा अन्य विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। ग्राम सभाओं में विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी जी राम जी) के संबंध में भी ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी तथा इसके क्रियान्वयन पर चर्चा होगी।

### अभनपुर से कुरुद के बीच नई लाइन का स्पीड ट्रायल रन के दौरान रेलवे ट्रैक से आमजन रहे सतर्क

**रायपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 17 जून को सुबह 10.00 बजे अभनपुर से कुरुद के बीच नई ब्रॉड गेज लाइन का स्पीड ट्रायल स्पेशल ट्रेन के द्वारा किया जाएगा। रेलवे ने सभी आमजनों को सूचित किया जाता है कि इस दौरान रेलवे लाइन से दूर रहें एवं अपने मवेशियों को रेलवे ट्रैक से दूर रखें ताकि किसी भी तरह की जान या माल की क्षति न हो।

# तिलक लगाकर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत

**रायपुर/रायगढ़।** राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी शासकीय, गैरशासकीय विद्यालयों में नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 का शुभारंभ हो गया है। पहले दिन विद्यालयों में प्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। रायपुर के वामनराव लाखे उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य डॉ. भारती यादव एवं वरिष्ठ शिक्षक राजकुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं को पुस्तक-कापी भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान दीक्षांत समारोह में नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्पगुच्छ देकर आत्मीय स्वागत के साथ अभिनंदन किया गया। रायगढ़ लाइब्रेरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में भी उत्साहपूर्ण माहौल के बीच नए छात्रों का स्वागत किया गया। विद्यालय के कार्यशाला दिनेश अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शाला प्रवेश उत्सव के सभी विद्यार्थियों को पहले ही पूरा कर दिया गया था। 16 जून से 27 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र बच्चे के विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करना, छात्रों की नियमित उपस्थिति और शाला स्तर के बच्चों को शिक्षा की बहाली से जोड़ना है। उत्सव से पूर्व जिले के सभी आश्रमों में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, आवश्यक वसूली एवं सौंदर्यीकरण कार्य किया गया।

# भूपेश बघेल ने सौरभ चंद्राकर के साथ चैट को बताया फर्जी

## लीगल टीम करेगी कानूनी कार्रवाई

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजनीति और मीडिया गलियारों से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से चलाई जा रही एक कथित खबर और चैट को पूरी तरह फर्जी, मनगढ़ंत और फोटोशॉप जनित करार दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर इसे एक बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र बताते हुए विरोधियों और कथित पत्रकारों को कड़ी चेतावनी दी है।

**सौरभ चंद्राकर के नाम वाले चैट बॉक्स का सच आया सामने**

दरअसल, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक चैट वायरल किया जा रहा था, जिसमें महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के इंस्टाग्राम अकाउंट के साथ पूर्व सीएम की बातचीत का दावा किया जा रहा था।

इस पर पूर्ण विराम लगाते हुए भूपेश बघेल ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर सीधे उस इंस्टाग्राम अकाउंट का चैट बॉक्स और प्रोफाइल शेयर किया है। शेयर किए गए स्क्रीनशॉट में साफ दिख रहा है कि sourabhchanndrakar नामक इस आईडी (जिसके 32K फॉलोअर्स हैं) के साथ किसी भी तरह के मैसेज या संदेश का कोई आदान-प्रदान (चैट) नहीं हुआ है। प्रोफाइल पर साफ लिखा है- 'You don't follow each other on

**षड्यंत्र के प्रायोजकों पर बरसे बघेल**

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस फर्जी खेल को खेलने वालों पर तीखा प्रहार करते हुए लिखा कि, 'सुबह से फर्जी फ़ोटोशॉप के आधार पर एक खबर एक पोर्टल पर चलाई जा रही है। इन फर्जी खेल को खेलने वालों को बता देना चाहता हूँ कि इन फर्जी खबरों के प्रायोजकों (स्पॉन्सर्स) का नाम भी हम तक पहुँच चुका है।' उन्होंने आगे चेताया कि जो इस नैरेटिव का हिस्सा बन रहे हैं, बघेल ने कहा, 'जो कथित पत्रकार इस षड्यंत्र में शामिल हो रहे हैं, वे भी चेत जाएँ।'

# बढ़ी हुई बिजली दर के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे कांग्रेसी, आज से करेंगे प्रदर्शन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में बिजली बोर्ड ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। अब बिजली बिल को लेकर बड़ा घमासान होने वाला है। राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। 17 और 18 जून को पूरे प्रदेश में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन होगा। और इसे वापस लेने की मांग की है।

**कांग्रेस का प्लान क्या है?**

18 जून को जिला स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इसमें कांग्रेस के बड़े नेता सरकार को घेरेंगे और जनता को विश्वास दिलाएंगे कि यह बहुत गलत है। इस आंदोलन में सिर्फ बड़े नेता ही नहीं, बल्कि ब्लॉक से लेकर शहर तक के सभी नेता और पूर्व नेता भी ताकत दिखाएंगे। रायपुर के प्रमुख चौक-चौराहों पर इसे लेकर अभी से चर्चा तेज हो गई है।

**बिल हाफ योजना का लाभ क्या होगा?**

आयोग के सचिव प्रकाश सूर्य शुक्ला का कहना है कि 400 यूनिट तक खर्च करने वालों पर असर कम होगा। राज्य में बिजली बिल हाफ योजना चल रही है, इसलिए 200 यूनिट तक की छूट जारी रहेगी। आयोग का तर्क है कि बिजली कंपनी का खर्च बढ़ता है, इसलिए ये मजबूरी थी। वहीं कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि जून माह में 45 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के बिजली बिल औसत से अधिक आए हैं, जिससे आम जनता में नाराजगी बढ़ी है।

पार्टी का कहना है कि बिजली दर वृद्धि, बिजली बिल हाफ योजना का बंद होना और स्मार्ट मीटरों की कथित गड़बड़ियां बढ़े हुए बिजली बिलों के प्रमुख कारण हैं।

# छत्तीसगढ़ में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में आगामी 21 जून को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' निर्धारित की गई है। आयोजन को व्यापक और सफल बनाने के लिए राज्य के मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक ली और तैयारियों की समीक्षा की।

**सरगुजा में होगा राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन**

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संभावित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सरगुजा जिले में आयोजित होगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इसके लिए सभी आवश्यक और पुख्ता तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

**ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जन-भागीदारी**

मुख्य सचिव विकासशील ने निर्देश दिए कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य के सभी जिलों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रमुख स्थलों पर अनिवार्य रूप से योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आयुष विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। जिला स्तर पर अधिक से अधिक जन-सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

# बिजली दरों में बढ़ोतरी से लोगों में नाराजगी

## गृहणियां बोलीं घर के बजट में होगी बढ़ोतरी

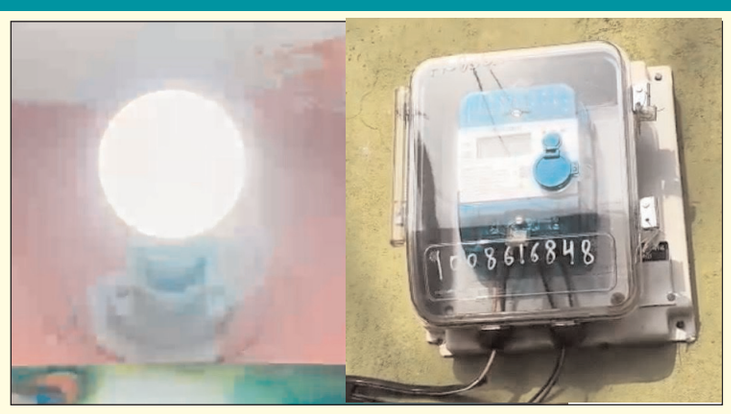

**रायपुर (संवाददाता)।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बिजली की नई दरें 1 जुलाई से लागू करने के आदेश जारी किए गए हैं। बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी को लेकर आम लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। बाजारों, चौक-चौराहों और मोहल्लों में लोग बढ़ते बिजली खर्च को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं।

कई उपभोक्ताओं का कहना है कि महंगाई के इस दौर में बिजली बिल का अतिरिक्त बोझ उनके घरेलू बजट को प्रभावित कर रहा है। लोगों के अनुसार पिछले महीनों की तुलना में बिजली बिल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उपभोक्ताओं ने सरकार से बिजली दरों की पुन: समीक्षा करने और आम नागरिकों को राहत देने की मांग की है। जब बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर लोगों की राय जानने का प्रयास किया गया, तो ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक असंतोष देखने को मिला। रायपुर के कुर्रा क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि नई दरों के तहत प्रति यूनिट 50 से 60 पैसे तक की वृद्धि की गई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली दरों में बढ़ोतरी सरकार की नाकामी को दर्शाती है। उनका कहना है कि एक ओर बिजली बिल लगातार बढ़ाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की स्थिति संतोषजनक नहीं है। आज भी अनेक गांवों और मोहल्लों में बार-बार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है।

लोगों का कहना है कि बढ़े हुए बिजली बिलों और बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि राज्य सरकार के सुशासन तिहार के दौरान भी बिजली संबंधी कई शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिनमें अनियमित आपूर्ति और बढ़े हुए बिल प्रमुख मुद्दे रहे। आम नागरिकों का मानना है कि बिजली दरों में वृद्धि और खराब विद्युत व्यवस्था का सीधा असर उनके जीवन और आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से बिजली व्यवस्था में सुधार और बढ़ी हुई दरों पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

# छत्तीसगढ़ में हर तीसरा बच्चा कुपोषित

## राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की जारी ताजा रिपोर्ट का दावा

**रायपुर (संवाददाता)।** देशभर में कुपोषण के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकारें हर साल हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं। आंगनबाड़ी सेवाएं, पोषण अभियान, सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, टेक होम राशन और पूरक पोषण जैसी योजनाओं पर लगातार बजट बढ़ाया जा रहा है। इसके बावजूद लाखों बच्चे आज भी कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हैं। ताजा आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है और बड़ी संख्या में बच्चे सरकारी पोषण योजनाओं पर निर्भर हैं।

हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ में पांच वर्ष तक की आयु के 27.5 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की श्रेणी में हैं। हालांकि यह आंकड़ा वर्ष 2019-21 के 34.6 प्रतिशत की तुलना में कम हुआ है, लेकिन प्रदेश में अब भी लाखों बच्चे कुपोषण की चपेट में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उम्र के हिसाब से कम लंबाई (स्टंटिंग) वाले बच्चों का प्रतिशत लगभग 35 प्रतिशत के आसपास है, जिसकी संख्या करीब 8.1 से 8.7 लाख बताई जा रही है। वहीं लंबाई के हिसाब से कम वजन (वेस्टिंग) वाले बच्चों का प्रतिशत बढ़कर 20.1 प्रतिशत हो गया है, जो 2019-21 में 18.9 प्रतिशत था। ऐसे बच्चों की संख्या करीब 4.6 से 4.8 लाख आंकी गई है। कुछ राहत की बात यह है कि गंभीर कुपोषित (सीवियर वेस्टेड) बच्चों का प्रतिशत 7.5 से घटकर 6.9 प्रतिशत हो गया है, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश में ऐसे बच्चों की संख्या करीब 2 लाख है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुपोषण दूर करने के लिए सरकार एक बच्चे पर प्रतिदिन लगभग 25 रुपये खर्च कर रही है। मौजूदा बाजार दरों को देखते हुए इस राशि में केवल सीमित मात्रा में दूध, दाल, फल या सब्जियां ही उपलब्ध हो सकती हैं, जबकि एक कुपोषित बच्चे को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार की आवश्यकता होती है।

## संपादकीय

# चाँदनी को आशीष और समाज को संदेश

प्रो. मनोज कुमार

सरकार अंतिमजन के घर तभी जाती है, जब चुनाव हो, यह समाज की आमधारणा बन चुकी है और बहुत हद तक यही सत्य भी है लेकिन बिना चुनाव या किसी राजनीतिक लाभ के जब सरकार अंतिमजन के घर पहुँचती है तो खबर बन जाना स्वाभाविक है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का एक प्रतिभावान बिटिया को आशीर्वाद देने के लिए उसके घर जाना एक अलहदा मामला बन जाता है। बहुतेरे होंगे जो इसे राजनीतिक चश्मे से देख रहे होंगे लेकिन थोड़ी देर के लिए राजनीतिक चश्मा उतार लीजिए क्योंकि ऐसे अवसर बिरले ही जीवन में देखने को मिलते हैं। मुख्मंत्री डॉ. मोहन यादव विशाल अट्टालिका जिसे हम मंत्रालय अथवा वल्लभभवन संबोधित करते हैं, के सामने बसी भीमनगर (इसे झुग्गी बस्ती कहने में मुझे परहेज है) की संकरी गलियों से गुजर कर उस बच्ची के पास जा पहुँचते हैं जिसने हाल ही में कार्मस विषय की 12वीं कक्षा में टॉप किया है। अपनी प्रतिभा से उजाला फैलाने वाले इस प्रतिभावान बच्ची का नाम है चाँदनी। अपने नाम के अनुरूप अपनी प्रतिभा की रोशनी फैलायी कि सरकार अंतिमजन के द्वार पहुँच गई।

यूँ तो ऐसी किसी प्रतिभा का खिल जाना कोई असामान्य घटना नहीं है लेकिन चाँदनी का मामला अब थोड़ा अलग है। उसकी प्रतिभा की गूँज ऐसी थी कि मोहन सरकार उनके द्वार पर पहुँच कर उसकी पीठ थपथपा कर उसे हौसला दिया और कहा कि- 'तुम आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं।' यहाँ हम से मतलब डॉ. मोहन यादव नहीं, मध्यप्रदेश सरकार है। इसे राजनीतिक चश्मे से देखिए तो भी आपको एक अपनापन सा लगेगा। प्रतिभावान चाँदनी के सिर पर हाथ फेरते डॉ. मोहन यादव गए तो मुख्यमंत्री बनकर उसके घर लेकिन भाव एक पालक का दिख रहा था। परिवार के साथ बैठने वाले तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लेकिन उसके परिवार ने उन्हें अपना कोई भाई, मामा या चाचा के रूप में देखा। ऐसे अवसर बिरले होते हैं। स्वाभाविक है कि डॉ. मोहन यादव और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच एक महीन सी रेखा है जो उन्हें औरों से अलग बनाती है। अपना शुभाषीश दिया, प्रतिभावान चाँदनी से उसके भविष्य के सपने सुने और आश्वस्त किया कि वो सब कुछ किया जाएगा, जिसका उसका मन है। परिजनों से उनके बारे में पूछा और बातचीत की। हम महसूस कर सकते हैं कि उस परिवार की उस समय क्या मनोदशा रही होगी जब स्वयं सरकार उनके पास बैठी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के सफल कार्यकाल और उनके कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने और जोडऩे का एक सिलसिला जारी है। और ऐसा पहले भी होता रहा है। यहाँ भी यह हुआ तो कोई हैरानी नहीं लेकिन हैरानी है कि पूरे लाव-लश्कर के साथ सरकार उन्हें अपने दरबार में बुलाकर भी सम्मानित कर सकती थी, पीठ ठोंक सकती थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया, और सरकार स्वयं चाँदनी के घर पहुँच गई। तंग गलियों में सरकार का लाव-लश्कर नहीं जा सकता है इसलिए अधिकतर सरकारों ने वहाँ जाने से परहेज किया। डॉ. मोहन यादव भी ऐसा कर सकते थे लेकिन किया नहीं। सरकार को पीछे छोडक़र ई-स्कूटर खुद चलाते हुए विधायक सबनानी को पीछे बिठाकर पहुँच गए। अपने अंदाज में बात-बात पर ठहाका लगाने वाले मोहन ने पूरे परिवार को मोह लिया। सेल्फी ली और उनके हाल जानें। इसे एक राजनीतिज्ञ से जोडक़र देखने के बजाय एक सोच के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके इस नवाचार से समाज में संदेश जाता है कि एक सरकार ऐसी भी होती है, एक मुख्यमंत्री स्कूटर में बैठकर तंग गलियों में जा पहुँचता है तो उन हजारों-हजार बच्चों को तसल्ली होती है कि इस बार ना सही, अगली बार उनका मूल्यांकन करने सरकार ना सही, मुख्यमंत्री ना सही, मोहन भिया जरूर आएंगे।

स्मरण आ रहा है कि इसके पहले भी कुछ मंत्रियों ने प्रतिभावान बच्चों को और उनके परिवार को फोन लगाकर बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया था। शायद यह उसका विस्तार है जिसे स्वयं मुख्यमंत्री ने दिया है। यह केवल चाँदनी का हौसला बढ़ाने का मसला नहीं है बल्कि एक खामोश संदेश यह है कि जो जहाँ है, वह वहाँ जाकर ऐसी प्रतिभाओं का, उनके परिवार का हौसला बढ़ाये। यह समझना मुश्किल नहीं है कि वो परिवार, वो बच्चे अपनी मेहनत और प्रतिभा से आगे बढ़ रहे हैं और आगे भी बढ़ते रहेंगे लेकिन इस तरह की गैर-राजनीतिक नवाचार समाज में सकरात्मक भाव उत्पन्न करता है। मुख्यमंत्री के चाँदनी के घर जाने से उसके परिवार की गरीबी दूर नहीं होगी और ना ही चाँदनी के दैनंदिनी जीवन में कोई बड़ा बदलाव आएगा लेकिन जो बदलाव आएगा, वह नेपथ्य में होगा। वह बदलाव दिखेगा नहीं लेकिन मोहन भिया के आशीष से उसका मन पर्वत बन जाएगा और वह अपने मन के पर्वत की विजेता। उसके सपने को चार चाँद लग गए हैं और स्वयं का भरोसा बढ़ गया है। ध्यान आता है लेकिन पक्का-पक्का नहीं, रींवा की बेटी भी ऐसे ही अपने सपने पूरे कर जहाज उड़ाने लगी और एक दिन हमारे सामने आज की टॉपर चाँदनी कर अपने सपने को सच करती हुई आर्मी में लेफ्टिनेंट बनकर खड़ी होगी। उसके सपने, उसके हौसले से पूरे होंगे लेकिन थोड़ा-थोड़ा सा असर मोहन भिया के सिर पर हाथ रखने का होगा। सीख यही है कि हम सरकार नहीं हैं, मुख्यमंत्री नहीं हैं लेकिन समाज का वो हिस्सा हैं जो ऐसी चाँदनी की चमक को बढ़ा सकते हैं। शायद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यही संदेश देना चाहते होंगे। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

# राम नाम जपना पराया माल अपना!

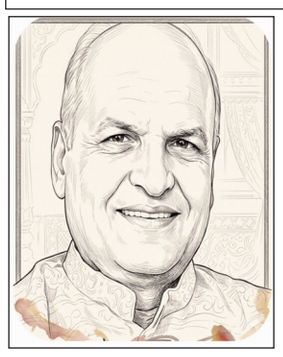

गिरीश पंकज

हम बचपन से एक कहावत सुनते आए हैं 'राम नाम जपना पराया माल अपना'. यह कहावत देश के बड़े-बड़े मंदिरों में चरितार्थ होते हुए दिखाई देती है. जितने भी बड़े मंदिर हैं, वहां लाखों-करोड़ों का चढ़ावा आता है और मंदिर से जुड़े अनेक लोग मालामाल हो जाते हैं.दुर्भाग्य की बात यह है कि ईश्वर की मूर्ति के नीचे ऐसे अपराध होते हैं.अपराध करने वाले शायद इस आत्मविश्वास के साथ भरे होते हैं कि ऊपर वाला उनका कुछ बिगाड़ नहीं सकेगा. वह निर्भय होकर घोटाला करते हैं, यानी ईश्वर के भक्त गण जो चढ़ावा चढ़ाते हैं, उसका एक हिस्सा ये सफेदपोश चोर हड़प लेते हैं. अयोध्या के राम मंदिर में देश भर के लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और वहां करोड़ का चंदा एकत्र होता रहा है।

और इसमें दो राय नहीं कि जब से राम मंदिर बना है उससे जुड़े कुछ लोग मालामाल तो हुए ही हैं. चंदा गिनने वाले मिश्रा के घर से करीब दस लाख नकद बरामद हुए, जिसमें से कुछ रकम तो चंदा चोर ने घर के बाहर गोबर के ढेर में छिपाकर रखी थी. ऐसे ही ? तिन्नू यादव का नाम सामने आया है,जो पहले अयोध्या में ऑटो चलाता था. जांच हुई तो पता चला कि उसके पास अयोध्या और लखनऊ में लगभग पचास करोड़ की अघोषित संपत्ति है. इसमें 70 कमरों का हॉस्टल, है, एक रेस्टोरेंट में हिस्सेदारी और कुछ लग्जरी गाड़ियां है। अचानक राम जी ने इस बंदे पर इतनी 'कृपा 'कैसे बरसा दी ? ऐसे और कुछ लोग हैं जो राम मंदिर से जुड़े रहने के बाद रातों-रात लखपति हो गए. और भी कुछ लोगों के बारे में पता चला है कि उन्होंने इस बीच अयोध्या और आसपास लाखों रुपए की जमीन खरीदी है. अब जब मंदिर के चंदा की चोरी का मामला सामने आया है, तब जांच कमेटी भी गठित कर दी गई है. तब उम्मीद की जाती है कि चंदा चोर पकड़ में आएंगे. और यह भी हो सकता है कि अंतत: लीपापोती करके मामले को रफ़ा-दफा भी कर दिया जाए. लेकिन इसमें दो राय नहीं कि करोड़ों की चोरी तो हुई है. लोगों की मांग मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जांच कमेटी गठित कर दी है जिसमें कुछ पुलिस के बड़े अधिकारी शामिल किए गए हैं. उम्मीद की जानी चाहिए की एसआईटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी.

**कड़े सुरक्षा उपाय ज़रूरी..**

अब भविष्य में चोरियों को रोकने के लिए कड़े उपाय करने की जरूरत है.सबसे पहले उपाय तो यही है यही है कि राम मंदिर के कोने -कोने में और अधिक खुफिया कैमरे लगाए जाएं. राम मंदिर में काम करने वाले तमाम छोटे-बड़े अधिकारियों की प्रवेश के समय और वापसी के समय तलाशी ली जाए. भले ही वह सामान्य कर्मचारी हो या ट्रस्ट का कोई बड़ा पदाधिकारी. ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आगे बढ़ कर अपनी तलाशी दें. यह नैतिकता कहती है कि उन्हें ऐसा करना चाहिए. ऐसा करने से एक पारदर्शिता बनेगी और उन पर भी कोई उंगली नहीं उठेगी. इसमें दो राय नहीं कि देशभर से आने वाले चढ़ावे के कारण कुछ लोगों की

*अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का जो मामला सामने आया है,उसकी अब जांच तो हो रही है लेकिन अब वहां और कड़ी निगरानी की जरूरत है.और सबसे बड़ी बात यह है कि जो करोड़ों रुपए आ रहे हैं. उनको लेकर अब लोकमंगल के कार्यों में निवेश करने का सिलसिला शुरू होना चाहिए। वहां शोध संस्थान विकसित किया जाए. कुछ सनातन संस्कृति को पुष्पित पल्लवित करने वाले विद्यालय शुरू हों. निर्धन बच्चों के लिए छात्रावास शुरू किए जाएं. बहुमंजिली धर्मशाला बनाई जाए, जहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु बहुत कम खर्चे में रुक सकें. यह जो अभी मुफ्त का पैसा वहां आ रहा है, उसका रचनात्मक इस्तेमाल बहुत जरूरी है. करोडों रुपए देखकर के राम मंदिर समिति से जुड़े किसी भी सदस्य का मन डोल सकता है, इसलिए पैसे को संचित करने के बजाय, अधिकाधिक लोकमंगल के कार्य में लगाते रहना चाहिए,वरना चोरी का सिलसिला रुकने वाला नहीं है. कबीर दास जी ने कहा भी है कि 'पानी आए नाव में, घर में आए दाम,दोनों हाथ उलीचिए, यही सयानो काम '. तो, राम मंदिर में जो पैसा आ रहा है ।*

नीयत नाग -नागिन की तरह डोल जाए और मन-ही-मन हुए गुनगुनाने लगे कि 'राम नाम जपना पराया माल अपना'. कई बार चढ़ावा चोर सोचते हों कि कौन देखता है।

अपनी सुविधा से देर रात को खुफिया कैमरे भी बंद कर दिए जाएं और उसे समय वारा-न्यारा हो जाए. इसलिए अब यह व्यवस्था होनी चाहिए की 24 घंटे खुफिया कैमरे चालू रहेंगे ताकि हर एक गतिविधि रिकॉर्ड होती रहे. अब लोग ऊपर वाले से नहीं डरते क्योंकि बहुतों को यह विश्वास है कि ऊपर वाला जैसी कोई चीज होती नहीं है. यही कारण है कि मंदिर में चोरियां होती हैं,मंदिर में बलात्कार भी हो जाते हैं. लेकिन अब लोग केवल खुफिया कैमरे से डरते हैं कि अगर उनकी हरकतें कमरे में रिकॉर्ड हो गई, तो सबूत के रूप तौर पर इसे प्रस्तुत किया जा सकता है.इसलिए कैमरे आने के बाद अपराधी भी बहुत सावधान हो गए हैं.वह चेहरे पर नकाब लगाकर अपराध करते हैं. यही कारण है कि राम मंदिर में बहुत सारे वीडियो मिटा दिए गए हैं. ताकि अपराधी पकड़े ही ना जा सके. यह भी एक गंभीर मामला है कि सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग को मिटा दिया जाए.इसका मतलब है कि घोटालेबाज पकड़ में ही न आएँ. ऐसा ही खेल हुआ है इसलिए ऐसा करने वाले अपराधियों कोकठोर दंड मिलना चाहिए.

**लोक कल्याण में पैसे लगें..**

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का जो मामला सामने आया है,उसकी अब जांच तो हो रही है लेकिन अब वहां और कड़ी निगरानी की जरूरत है.और सबसे बड़ी बात यह है कि जो करोड़ों रुपए आ रहे हैं. उनको लेकर अब लोकमंगल के कार्यों में निवेश करने का सिलसिला शुरू होना चाहिए।

वहां शोध संस्थान विकसित किया जाए. कुछ सनातन संस्कृति को पुष्पित पल्लवित करने वाले विद्यालय शुरू हों. निर्धन बच्चों के लिए छात्रावास शुरू किए जाएं. बहुमंजिली धर्मशाला बनाई जाए, जहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु बहुत कम खर्चे में रुक सकें।

यह जो अभी मुफ्त का पैसा वहां आ रहा है, उसका रचनात्मक इस्तेमाल बहुत जरूरी है. करोडों रुपए देखकर के राम मंदिर समिति से जुड़े किसी भी सदस्य का मन डोल सकता है, इसलिए पैसे को संचित करने के बजाय, अधिकाधिक लोकमंगल के कार्य में लगाते रहना चाहिए,वरना चोरी का सिलसिला रुकने वाला नहीं है. कबीर दास जी ने कहा भी है कि 'पानी आए नाव में, घर में आए दाम,दोनों हाथ उलीचिए, यही सयानो काम '. तो, राम मंदिर में जो पैसा आ रहा है, उसको लोक कल्याण के लिए दोनों हाथों से उलीचना चाहिए, वरना चंदा चोरी को रोक नहीं जा सकेगा. यहाँ अलग-अलग तरीके में यह चोरियां होती रहेंगी. चोरों की 'प्रतिभाओं' से हम सब परिचित हैं. अगर हम डाल-डाल हैं,तो वे पात पात पद होते हैं. वह तमाम सुरक्षाओं की काट निकालकर अपना खेला करते रहेंगे।

फिर भी अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट को पूरा प्रयास करना चाहिए कि भविष्य में चंदा या चढावा-चोरी न हो. उम्मीद की जानी चाहिए कि चंदा चोरी के मामले कई जांच करने वाली कमेटी (एस आई टी) किसी ठोस मुकाम तक पहुंचेगी और श्री राम के नाम पर चोरी करने वाले लोग दंडित किए जाएंगे ताकि भविष्य में कोई दूसरा व्यक्ति ऐसा घोर अपराध न कर सके.

यह स्वाभाविक है कि जब राम मंदिर में करोड़ों की चोरी का मामला सामने आया तो विपक्ष को खरी खोटी सुनाने का मौका मिल गया है।

और वह मामले को बढ़ा चढ़ा कर आरोप भी लगा रहे हैं,इसलिए बहुत जरूरी है कि पारदर्शिता लाने के लिए जल्द से जल्द जांच पूरी की जाए, और जो भी दोषी हैं,उनको दंडित किया जाए. राम मंदिर के चढ़ावे को चुरा कर घर बनाने या अकूत संपत्ति खरीदने वालों की संपत्ति राजसात भी की जाए।

# जेवर हवाई अड्डे से पहली उड़ान

महेन्द्र तिवारी

उत्तर प्रदेश के विमानन और आर्थिक इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, जिसे जेवर हवाई अड्डे के नाम से भी जाना जाता है, से पहली व्यावसायिक उड़ान का सफल संचालन शुरू होना न केवल इस राज्य के लिए बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और लंबे समय से प्रतीक्षित पल है। इस पहली उड़ान के रनवे पर उतरते ही यह विशाल हवाई अड्डा आधिकारिक रूप से वैश्विक विमानन मानचित्र पर स्थापित हो गया है। लंबे समय से देखी जा रही यह महत्वाकांक्षी योजना अब धरातल पर हकीकत बनकर उतर चुकी है, जो आने वाले समय में उत्तर भारत के विकास की दिशा और दशा को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती है। इस हवाई अड्डे का चालू होना आधुनिक बुनियादी ढांचे, आर्थिक प्रगति और सुदृढ़ कनेक्टिविटी का एक ऐसा अद्भुत संगम है, जो आने वाले कई दशकों तक देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देता रहेगा। उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के विशाल नेटवर्क के साथ एक नए वैश्विक निवेश और आर्थिक केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है।

विमानन उद्योग की दुनिया में कुछ ऐसी अनूठी और भव्य परंपराएं हैं जो इस क्षेत्र के सम्मान और गौरव को प्रदर्शित करती हैं। ऐसी ही एक अत्यंत प्रतिष्ठित वैश्विक परंपरा वॉटर कैनन सैल्यूट की है, जिसके माध्यम से किसी भी नए हवाई अड्डे पर पहली व्यावसायिक उड़ान का ऐतिहासिक स्वागत किया जाता है। जब उत्तर प्रदेश की ही राजधानी लखनऊ से उड़ान भरकर आई इंडिगो एयरलाइंस की पहली उड़ान ने जेवर हवाई अड्डे के नवनिर्मित रनवे पर पहली बार लैंड किया, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति के लिए वह दृश्य अत्यंत विहंगम और भावुक करने वाला था। हवाई अड्डे के अग्निशमन दल के वाहनों ने रनवे के दोनों छोरों पर तैनात होकर पानी की तीव्र बौछारें छोड़ीं और हवा में एक अत्यंत सुंदर और विशाल आर्च का निर्माण किया। पानी की इस भव्य बौछार के बीच से गुजरते हुए विमान का स्वागत करना केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि यह भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नए और सुनहरे युग के उदय का भव्य शंखनाद था। यह सम्मान और उत्सव का वह क्षण था जिसे इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। भौगोलिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पिछले कई वर्षों से हवाई यात्रियों और उड़ानों के भारी दबाव का सामना कर रहा है। लगातार बढ़ती जनसंख्या और हवाई यात्रा के प्रति आम लोगों के बढ़ते रुझान के कारण दिल्ली हवाई अड्डे की क्षमताएं अपनी चरम सीमा पर पहुंच रही थीं, जिससे उड़ानों में देरी और भीड़भाड़ जैसी समस्याएं आम हो गई थीं। ऐसे में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन शुरू होना दिल्ली हवाई अड्डे के लिए सबसे मजबूत, प्रभावी और आवश्यक विकल्प के रूप में सामने आया है। इसके पूरी तरह चालू होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों के हवाई ट्रैफिक और यात्रियों की लंबी कतारों का बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। इसका सबसे सीधा और बड़ा लाभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों जैसे गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा और मेरठ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य हरियाणा के कई प्रमुख शहरों के निवासियों को मिलेगा। अब इन क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को कोई भी अंतरराष्ट्रीय या घरेलू उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली के भारी ट्रैफिक और जाम से जूझते हुए जाने की मजबूरी नहीं होगी, बल्कि वे सीधे जेवर आकर बेहद कम समय में अपनी सुखद यात्रा शुरू कर सकेंगे।

## बोध कथा

# जीवन पहले या सम्मान

हिना श्रीवास्तव

सर्दियों की वह सुबह आज भी मेरी स्मृतियों में ज्यों की त्यों है। धूप अभी पूरी तरह फैली नहीं थी और छत पर बने छोटे से बाथरूम में गीजर की हल्की भाप तैर रही थी। ठंड इतनी थी कि बिना गरम पानी के नहाने की कल्पना भी मुश्किल लगती थी। मैं उस वक्त कॉलेज के तृतीय वर्ष में थी और कॉलेज जाने के लिए ही तैयारी कर रही थी। मैं नहा ही रही थी कि अचानक गीजर के भीतर से तेज़ आवाज़ आई। अगले ही पल उसकी जाली से तीखी आँच-सी निकलने लगी। उस क्षण मेरे हाथ-पाँव जैसे सुन्न हो गए। एक पल को लगा, मानो पूरा बाथरूम आग की लपटों में घिर जाएगा।

उस क्षण मैं कुछ सेकंड के लिए जड़ हो गई। समझ नहीं पा रही थी कि पहले शरीर ढकूँ... या जीवन बचाऊँ। घबराकर मैंने जल्दी से दरवाज़ा खोला और किसी तरह बाहर आ गई। उस समय मेरे मन में बस एक ही विचार था—इस जगह से जितनी जल्दी हो सके निकल जाना चाहिए।

कुछ देर बाद जब मन थोड़ा शांत हुआ, तो मैंने यह बात घर में बताई और कहा कि आग लगने पर भी कुछ क्षण तो मैं यह विचार कर रही थी कि पहले कपड़े पहनूँ कि जान बचाऊँ।

सबसे पहले माँ ने सुना। माँ ने मेरी बात पूरी होते ही कहा— 'अरे पगली! ऐसी हालत में क्या सोचती? सीधे बाहर भाग आती। जान है तो सब है। कपड़े बाद में भी पहने जा सकते थे।'

उनकी आवाज़ में चिंता थी—वह चिंता, जो केवल माँ के स्वर में होती है।

## व्यंग्य केसरी

# कायनात मखौल उड़ा रही

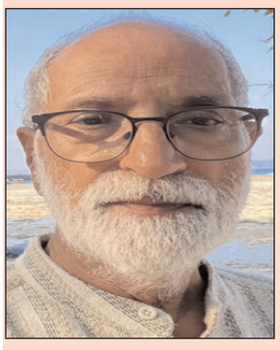

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

गुरु जी की आज बारहवीं के विद्यार्थियों की अंतिम कक्षा थी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेमचंद की 'नमक का दरोग़ा' कहानी का मर्म, सार और संदेश समझाया। सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। चूँकि अगले सप्ताह से इम्तिहान जो शुरू होने जा रहे थे, पर अभी समय-सारिणी के अनुसार कक्षा समाप्ति में कुछ समय शेष था। सो गुरु जी ने सोचा क्यों न बचे हुए समय का सदुपयोग करते हुए विद्यार्थियों से उनकी आगे की पढ़ाई एवं भविष्य की योजना के बारे में बात की जाए...!

हाँ, तो केशव तुम बताओ तुम्हारे आगे पढ़ाई करने का मक़सद क्या है...? केशव- 'सर, पिताजी कलेक्टर हैं। मैं भी आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर उनके जैसा नामी प्रशासनिक अधिकारी बनकर सरकारी सुविधाओं का उपभोग, नाम और दाम कमाना चाहता है।'

अच्छा तो आदित्य तुम बताओ- 'तुम पढ़-लिखकर क्या बनना चाहते हो...?' आदित्य ने खड़े होकर एक आदर्श विद्यार्थी की तरह अभिनय करते हुए कहा- 'सर, मैं आपकी तरह सरकारी स्कूल में हिंदी का फटीचर मास्टर नहीं, बल्कि विज्ञान विषय का विशेषज्ञ बनकर खुद का ट्यूशन सेंटर खोलकर ऐशो-आराम की ज़िंदगी जीना चाहता हूँ...!'

उँगली से विनोद की ओर इशारा करते हुए और तुम्हारा क्या इरादा है...?' विनोद गंभीर होते हुए बोला- 'सर, मैं डॉक्टर बनकर अपने शहर में एक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल खोलकर ढेर सारा रुपया कमाना चाहता हूँ।'

विजय तुम बताओ- 'सर, अपना को एकमात्र सपना इंजीनियर बनना, खूब धन-दौलत कमाना, आलीशान बँगले में रहना, महँगी विदेशी कार ख़रीदना, नौकर- चाकर... बस, ज़िंदगी में मज़े करना एकमात्र मकसद है...!'

और मिस्टर इतिहास कुमार तुम्हारे क्या इरादे हैं- 'इतिहास ने अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही कहा- 'सर, अपुन को क्या करना...! अपुन का बाप ख़ानदानी नेता हैं...! इसलिए अपुन को भी उनके जैसा नेता बनकर देश सेवा के नाम पर जनता को उल्लू बनाने का धंधा करना है...!'

और अंत में, अंतिम पंक्ति में बैठे, अंतिम विद्यार्थी से पूछा- 'ऐ! मिस्टर क्या नाम है तुम्हारा...?' विद्यार्थी हड़बड़ाकर खड़े होते हुए बोला- 'जी.. जी, गुरु जी...! मेरा नाम हरिश्चंद्र है। मेरे पिताजी, न कलेक्टर हैं, न डॉक्टर हैं, न इंजीनियर हैं, न ही नेता हैं। मैं एक आम आदमी का बेटा हूँ। मैं 'नमक के दरोग़ा' की तरह एक नेक और ईमानदार सेवक बनना चाहता हूँ...!' गुरु जी ने हरिश्चंद्र को अपने पास बुलाया और उसकी पीठ थपथपाते हुए और बोले- 'एकमात्र तुम मेरे सच्चे शिष्य और उत्तराधिकारी हो।'

उनकी बात सुनकर कक्षा के सभी विद्यार्थी ज़ोर से ठहाका मारकर हँस पड़े और तभी बाहर बरामदे में घंटी घनघना उठी। जिसकी गूँज सुनकर गुरुजी और हरिश्चंद्र को लगा मानो उन पर विद्यार्थी ही नहीं, अपितु समूची कायनात उनका मखौल उड़ा रही।

## इतिहास

16 जून का दिन अंतरिक्ष अन्वेषण और मानवाधिकार के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस दिन 1963 में, सोवियत अंतरिक्ष यात्री वैलेंटिना तेरेश्कोवा अंतरिक्ष में यात्रा करने वाली इतिहास की पहली महिला बनीं।16 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1963: सोवियत संघ की वैलेंटिना तेरेश्कोवा वोस्तोक-6 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला बनीं।1976: दक्षिण अफ्रीका के सोवेटो में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भाषा के अधिकार के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों स्कूली बच्चों पर पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिसे 'सोवेटो विद्रोह' (Soweto uprising) के रूप में याद किया जाता है।2010: भूटान ने दुनिया का पहला राष्ट्रव्यापी तंबाकू प्रतिबंध लागू किया। इसके तहत तंबाकू की खेती, उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई।

## संक्षिप्त खबरें

### शैक्षणिक संस्थानों के बसों एवं अन्य वाहनों की जांच 19 एवं 20 जून को होगी

**जगदलपुर।** जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों यथा कॉलेज, आईटीआई एवं स्कूलों के बसों की जांच शिविर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार आगामी 19 एवं 20 जून को प्रात: 09 बजे से शाम 05 बजे तक कार्यालय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कुरंदी रोड आड़ावाल जगदलपुर में आयोजित की गई है। उक्त जांच शिविर में निरीक्षण के लिए प्रस्तुत बसों एवं अन्य वाहनों का एक सेट आवश्यक दस्तावेज मौके पर पेश करना अनिवार्य है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बस्तर संभाग ने सभी शैक्षणिक संस्थानों के संचालकों से उक्त जांच शिविर में बसों एवं अन्य वाहनों को निरीक्षण हेतु प्रस्तुत करने आग्रह किया है। अन्यथा मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत संबंधित वाहनों का उपयुक्तता प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रमाण पत्र, अनुज्ञा प्रमाण पत्र निलम्बन या निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी और वाहन संचालित पाए जाने पर वाहन को निरुद्ध भी किया जाएगा।

### उपसरपंच रहते जहां मंदिर बनवाया, वहीं सांसद बघेल के समर्थक बंछोर ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

**भिलाई।** 20 साल पहले ग्राम सेलूद में उपसरपंच रह तारेंद्र बंछोर (50) ने जहां शिव मंदिर बनवाया था, वहीं आज उसकी लाश मिली है। उतई पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि मृतक बंछोर सांसद विजय बघेल का समर्थक था। शव का पोस्टमॉर्टम होने के बाद अंतिम संस्कार किया गया, अंतिम संस्कार में सांसद बघेल भी शामिल हुए।

बताया जाता है कि तारेंद्र ने एक दिन पहले हार्डवेयर शॉप से रस्सी खरीदी थी। वह पड़ोस में बर्सी कार्यक्रम में भी शामिल हुआ था। तब तक वह नॉर्मल था। आज फांसी लगाने से पहले उसने अपना मोबाइल अनलॉक कर दिया था, ताकि घर वाले परेशान न हों। तारेंद्र भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता था। वर्तमान में स्कूल समिति का अध्यक्ष था। बताया जा रहा है वह लंबे समय से पेट से जुड़ी बीमारी से परेशान था,उसे निमोनिया हो गया था। फिलहाल, पुलिस को अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना मिलते ही सांसद विजय बघेल भी ग्राम सेलूद पहुंचे जहां वे उसके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक साल 2005 में तारेंद्र बंछोर (50) सेलूद गांव में उपसरपंच बना था। तभी उसने बाजार चौक स्थित चारबांधा तालाब के पास शिव मंदिर बनवाया था। बताया जा रहा है जिस चंपा के पेड़ में आज उसकी लाश मिली है, वह पेड़ भी उसने ही लगाया था। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले तारेंद्र बंछोर की तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उसे हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था।

### भाजपा दंतेवाड़ा मंडल कार्य समिति की हुई बैठक

**दंतेवाड़ा।** भारतीय जनता पार्टी दंतेवाड़ा मंडल कार्य समिति की बैठक मंडल अध्यक्ष जय भंसाली की अध्यक्षता मेंमंगलवार को कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन की आगामी कार्ययोजना, बूथ सशक्तिकरण अभियान, सदस्यता विस्तार तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनहित कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मंडल अध्यक्ष जय भंसाली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति एवं राष्ट्रहित के संकल्पों को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य करे। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा विभिन्न विषयों पर सुझाव एवं विचार-विमर्श किया गया तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर मंडल प्रभारी धरमलाल मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक का संचालन महामंत्री मोहन ठाकुर एवं समापन उपाध्यक्ष लक्ष्मी यादव द्वारा किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष द्वय मुकेश शर्मा एवं कमला विनय नाग जिला महामंत्री सत्यजीत चौहान। जिला महामंत्री मुन्ना मरकाम, युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री कुणाल ठाकुर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल असरानी। जिला सह मीडिया प्रभारी राजेश बोरबन, नपा अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद अध्यक्ष सुनीता भास्कर विमला रावत, सुमित्रा नाग, मंडल उपाध्यक्ष कुंती झरना, सुरेंद्र भास्कर मंडल महामंत्री तिलेश्वरी नागेश रुक्मणी मंडावी जालंधर नाग मंडल मंत्री डे नारायण सिंह कोषाध्यक्ष गौतम भाटी संतु राम कश्यप बोमडा मंडावी मंगल मंडावी कमलेश सिंह गौतम, निखिल नाग, शिव प्रताप, किशोर साहू मुकुंद ठाकुर, प्रमोद ठाकुर, पूरन चंद यादव सोनाराम, जालंधर नाग, बाल कृष्णा गौतम आदि उपस्थित रहे।

# 10 गुना रिटर्न का झांसा किसान से 21 लाख की ठगी

## टेलीग्राम पर फंसाया, फर्जी ट्रेडिंग कंपनी का दिया था लालच

**बिलासपुर।** जिले में ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी हुई है। ठगों ने रकम दोगुनी करने और कम समय में अमीर बनने के लालच में किसान से 21.32 लाख रुपए ऐंठ लिए। टेलीग्राम पर एक्टिव ठगों ने अपने जाल में फंसाकर 160 बार में पूरी रकम ट्रांसफर करा ली, जब तक उसे ठगी का अहसास हुआ, तब तक पैसे खाते से निकल चुके थे। शिकायत लेकर जब पीड़ित थाने पहुंचा तो उनके पास 46 पन्नों की ट्रांजेक्शन डिटेल थी। इसे देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, ग्राम भरारी बड़पारा निवासी नारायण सिंह राज (38) खेती-किसानी के साथ ही साइकिल मरम्मत की दुकान चलाता है। वह टेलीग्राम का इस्तेमाल करता है। 28 अक्टूबर 2024 को उसके मोबाइल पर एक अनजान लिंक आया। लिंक पर क्लिक करते ही वह अपने आप 'इंडिया प्रोमो ट्रेडिंग कंपनी' नाम के ग्रुप से जुड़ गया। ग्रुप के संचालकों ने खुद को फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उन्होंने कम समय में रकम दोगुनी करने और कई गुना मुनाफा दिलाने का दावा किया। साथ ही कहा कि 10 हजार रुपए इन्वेस्ट करने पर 24 घंटे के भीतर 1 लाख रुपए तक मिल सकते हैं। पीड़ित का आरोप है कि ठग लगातार ज्यादा मुनाफे का लालच देकर उससे पैसे जमा कराते रहे। बीच-बीच में उसे ऑनलाइन खाते में लाखों रुपए का फायदा दिखाया जाता था। इससे उसका भरोसा बढ़ता गया। जब उसने पैसे निकालने की कोशिश की तो कोई भुगतान नहीं मिला। इसके बाद उसे ठगी का पता चला। पुलिस को दिए आवेदन में उसने बताया कि अलग-अलग किस्तों में उसके खातों से कुल 21 लाख 32 हजार रुपए ट्रांसफर हुए हैं।

### 6.93 करोड़ के फर्जी जीएसटी क्रेडिट मामले में इस्पात कारोबारी गिरफ्तार

**रायपुर।** वस्तु एवं सेवा कर आसूचना महानिदेशालय की रायपुर जोनल यूनिट ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए ओम किरण इस्पात उद्योग के पार्टनर हरीश वाधवानी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के अनुसार कंपनी ने करीब 6.93 करोड़ रुपये का फर्जी जीएसटी क्रेडिट प्राप्त किया था। डीजीजीआई जांच में सामने आया कि कंपनी ने बिना वास्तविक माल खरीदे केवल कागजी लेन-देन और फर्जी बिलों के आधार पर करोड़ों रुपये का टैक्स लाभ लिया। यह लाभ उन फर्मों के जरिए हासिल किया गया जो दस्तावेजों में तो संचालित दिख रही थीं, लेकिन वास्तविक रूप से कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं कर रही थीं। अधिकारियों के मुताबिक ओम किरण इस्पात उद्योग ने ऐसे कई कारोबारियों से बिल प्राप्त किए, जिनके जीएसटी पंजीयन बाद में रद्द या निलंबित कर दिए गए थे।

# झाड़फूंक और तंत्र-मंत्र के नाम पर युवती से दुष्कर्म, बाबा गिरफ्तार

**अंबिकापुर।** सरगुजा पुलिस ने झाड़फूंक और तंत्र-मंत्र के नाम पर युवती से दुष्कर्म करने वाले एक कथित बाबा को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया और न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज निवासी अमित कुमार गोस्वामी खुद को तांत्रिक और बाबा बताकर लोगों को अपने प्रभाव में लेता था। आरोपी ने पीड़िता और उसके परिवार को नौकरी दिलाने तथा अच्छे वैवाहिक रिश्ते उपलब्ध कराने का झांसा देकर उनका विश्वास हासिल किया था। इसी दौरान वह झाड़फूंक और तंत्र-मंत्र के नाम पर परिवार के संपर्क में बना रहा।

**झाड़फूंक के बहाने रची साजिश**

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक दिन विशेष पूजा और झाड़फूंक की प्रक्रिया का हवाला देकर पीड़िता के परिजनों को कमरे से बाहर भेज दिया। इसके बाद उसने युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता ने साहस दिखाते हुए गांधीनगर थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई।

**शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस**

मामले की गंभीरता को देखते हुए गांधीनगर थाना पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने पीड़िता के बयान, घटनास्थल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर आरोपी अमित कुमार गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूछताछ में आरोपी से मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी जुटाई गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लोगों की धार्मिक आस्था और अंधविश्वास का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसाता था।

# भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने पेश किया मोदी सरकार के 12 साल का रिपोर्ट कार्ड

## विकास और जन कल्याण की योजनाएं

**खैरागढ़।** भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्षों के देश के विकास, सुशासन और जन कल्याण के स्वर्णिम काल के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को संविधान का लाभ देते हुए अंतिम व्यक्ति तक का अधिकार दिया है।

चिमनानी ने बताया कि जनधन योजना, आयुष्मान भारत, आवास, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को फायदा मिलता है। डिजिटल सुविधाओं और डीबीटी के माध्यम से 4.31 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और बंधक नियंत्रण पर देश की सुरक्षा भी मजबूत हुई है।

प्रदेश प्रचारक ने कहा कि भारत ग्लोबल मंच पर मजबूत नेतृत्व के रूप में खोजा गया है। वहीं छत्तीसगढ़ को केंद्र से 5.30 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता, रेलवे को 7,470 करोड़ रुपये और पांच नए मेडिकल प्रोजेक्ट की सौगात मिली है।

# पेंशन अदालत में प्राप्त मामलों का किया गया त्वरित निराकरण

**बिलासपुर।** रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों की पेंशन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक वर्ष जून एवं दिसम्बर माह में पेन्शन अदालत का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 15 जून को मंडल कार्मिक सभाकक्ष ,बिलासपुर में पेन्शन अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों से प्राप्त पेंशन संबंधी मामलों की सुनवाई की गई। पेन्शन अदालत में कुल 4 आवेदन प्राप्त हुए थे । प्राप्त आवेदनों पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सुमित्रा पाल, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी भास्कर गुहा तथा कार्मिक एवं लेखा विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। प्रत्येक प्रकरण का रेलवे नियमों एवं प्रचलित प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण करते हुए आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा सभी चारों मामलों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। पेन्शन अदालत के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध होता है, जिससे उनकी शिकायतों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

# एसईसीएल में 'स्वच्छता पखवाड़े-2026' का उद्घाटन-सीएमडी रविश दुहान ने स्वच्छता की ली शपथ

**कोरबा।** भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में ''स्वच्छता पखवाड़ा-2026'' का शुभारंभ किया गया। 16 से 30 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान की शुरुआत डीसी सीएल मुख्यालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों ने बनाए रखने का संकल्प लिया।

डीएसईसीएल मुख्यालय स्थित भवन के अतिथि कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहान ने सभी सहायक अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (वित्त) डी. सुनील, मुख्य सामांय अधिकारी सैमुअल जैन, निदेशक (तकनिकी/योजना एवं परियोजना) रमेश चंद्र महापात्र सहित विभिन्न स्थानों के प्रमुख, अधिकारी-कर्मचारी और श्रमसंघ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमडी हरीश दुहान ने कहा कि केवल एक अभियान नहीं है, बल्कि खाद्य संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण प्रत्येक नागरिक एवं कर्मचारी का दायित्व है तथा जनसहभागिता के माध्यम से ही स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकर्ताओं को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने आवासीय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने तथा पाठकों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

### 229 एकड़ शासकीय, जंगल और चरनोई भूमि पर कब्जे की कोशिश का आरोप

**गौरेला-पेंड्रा-मरवाही।** जिले के आदिवासी बहुल ग्राम तरईगांव में शासकीय, जंगल मद और चरनोई भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने करीब 229 एकड़ भूमि पर कथित कब्जा कराने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की वर्षों पुरानी शासकीय एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि को निजी स्वामित्व में बदलने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में भाजपा किसान नेता बृजलाल राठौर, ग्राम पंचायत तरईगांव के सरपंच राहुल कुमार भैना, जिला पंचायत सदस्य पवन पैकरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। शिकायत पत्र में बताया गया है कि ग्राम तरईगांव के खसरा नंबर 943/1, 956, 982/1 और 983 की भूमि, जिसका कुल रकबा लगभग 228.97 एकड़ है।

# औसत लागत से सस्ती दर पर मिलेगी उपभोक्ताओं को बिजली

## 41 लाख घरेलू उपभोक्ताओं पर बिजली दर संशोधन का सीमित प्रभाव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग व्दारा जारी नए टैरिफ संशोधन का प्रदेश के 51 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 41 लाख उपभोक्ताओं पर आंशिक ही पड़ेगा। उन पर विद्युत दर संशोधन का प्रभाव शून्य से 3.65 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। साथ ही किसानों पर इस वृद्धि का कोई भार नहीं पड़ेगा, क्योंकि इसका वहन राज्य शासन व्दारा किया जाता है। नये टैरिफ में औसत विद्युत आपूर्ति दर 7.13 रूपये प्रति यूनिट स्वीकृत की गई है, जबकि घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार न्यूनतम स्लैब 4.40 रूपये प्रति यूनिट की दर से आपूर्ति की जावेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि विद्युत दरों का निर्धारण यह छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा किया जाता है, जो कि एक स्वतंत्र नियामक संस्था है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की तुलना में नये टैरिफ में समेकित रूप से 6.23 प्रतिशत की नाममात्र वृध्दि की गई है, यह 42 पैसे प्रति यूनिट के समतुल्य है। घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 30 पैसे प्रति यूनिट से 50 पैसे प्रति यूनिट की वृध्दि की गई है, तथापि इसका असर उपभोक्ताओं पर पूर्ण रूप से नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना के अंतर्गत प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाती है। आंकड़ो के अनुसार, प्रदेश के लगभग 51 लाख घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं में से 14.5 लाख बीपीएल उपभोक्ताओं को 30 यूनिट तक शासन द्वारा नि:शुल्क विद्युत उपलब्ध कराई जा रही है अर्थात् यह राशि शासन द्वारा वहन की जाती है। इसके अतिरिक्त 26.5 लाख उपभोक्ता ऐसे हैं, जिनकी खपत 400 यूनिट तक है, उन्हें मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना के अंतर्गत 200 यूनिट की खपत तक 50 प्रतिशत छूट मिलती रहेगी। अत: प्रदेश के अधिकांशत: घरेलू उपभोक्ताओं पर विद्युत के दरों में वृद्धि शून्य से 3.65 प्रतिशत के बीच होगी।

कंवर ने बताया कि उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल में कमी लाने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापना पर केंद्र एवं राज्य स्तर पर सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। योजना का उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं की ग्रिड बिजली पर निर्भरता कम करना तथा ऊर्जा व्यय में बचत सुनिश्चित करना है।

# बिलासपुर में जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप-2026 का शुभारंभ

**बिलासपुर।** साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा 15 से 17 जून तक जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय शिविर में द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार, राष्ट्रपति स्काउट/गाइड, निपुण तथा राष्ट्रपति रोवर/रेंजर पुरस्कार हेतु विभिन्न परीक्षाएं एवं मूल्यांकन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

कैंप के प्रथम दिवस 15 जून को ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा का सफल आयोजन बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर के सीबीटी परीक्षा केंद्र में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।परीक्षा के माध्यम से प्रतिभागियों के स्काउटिंग एवं गाइडिंग संबंधी ज्ञान, सिद्धांतों तथा प्रशिक्षण की समझ का मूल्यांकन किया गया। इस जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप में बिलासपुर जिले के लगभग 150 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिनमें स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स, यूनिट लीडर्स, सर्विस टीम के सदस्य एवं परीक्षक सम्मिलित हैं। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षणों से गुजरना होगा। इन परीक्षणों के माध्यम से उनकी नेतृत्व क्षमता, समाज सेवा, आउटडोर कौशल, टीम भावना, अनुशासन तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का आकलन किया जाएगा।

# लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स में 0.71 प्रतिशत की बढ़त; निफ्टी 24,000 स्तर के करीब

**मुंबई ।** हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्कों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में क्रमशः 0.71 प्रतिशत बढ़कर 76,808.48 पर और निफ्टी 135.25 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 23,989.15 पर पहुंच गया।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 544.15 अंक या 0.71 प्रतिशत बढ़कर 76,808.48 पर और निफ्टी 135.25 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 23,989.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,264.33 से 262.44 अंक बढ़कर 76,526.77 पर खुला और दिन के कारोबार में 76,846.74 का उच्चतम स्तर छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,853.90 से 70 अंक की मामूली बढ़त के साथ 23,923.90 पर खुलकर दिन के कारोबार में 24,002.60 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक कारोबार में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में 1-2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचयूएल और ओएनजीसी शामिल रहीं, जबकि हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी लाइफ, आइशर मोटर्स और मारुति सुजुकी टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहीं।

एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच हुए औपचारिक शांति समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की योजना से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है।

इन घटनाओं से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बनी चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं, जिससे दुनिया भर के बाजारों में सकारात्मक माहौल बना है।

# भारत का वार्षिक निर्यात बीते 12 वर्षों में 85 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली।** भारत का कुल निर्यात बीते 12 वर्षों में करीब 85 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 863 अरब डॉलर हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 468 अरब डॉलर था। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश की वार्षिक वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही है। इस दौरान सर्विसेज सेक्टर की वृद्धि दर सालाना आधार पर 9 प्रतिशत रही है।

समीक्षा अवधि में वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 442 अरब डॉलर हो गया है, जो कि 2014-15 में 310 अरब डॉलर था। इस दौरान इंजीनियरिंग गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। यह दिखाता है कि देश से हाई-वैल्यू वाले गुड्स का निर्यात तेजी से बढ़ा रहा है।

इस दौरान सर्विसेज निर्यात 158.1 अरब डॉलर से बढ़कर 421.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे देश के कुल निर्यात में सर्विसेज सेक्टर की हिस्सेदारी बढ़कर 48.8 प्रतिशत हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 33.8 प्रतिशत थी।

इसकी वजह देश के आईटी सेक्टर का तेजी से बढ़ना, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और कोविड महामारी के बाद डिजिटल सर्विसेज का विस्तार होना शामिल है। कुल सर्विस एक्सपोर्ट में 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली सॉफ्टवेयर सर्विस, ग्रोथ की मुख्य वजह बनी हुई हैं। प्रोफेशनल और मैनेजमेंट कंसल्टिंग दूसरे सबसे बड़े योगदानकर्ता के तौर पर उभरी हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उसने व्यापार को आसान बनाने और निर्यात में बढ़ोतरी के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 47 प्रक्रियाओं को आसान बनाना, ऑटोमेटेड एफटीपी (विदेशी व्यापार नीति) प्रक्रियाएं, ऑटो-वैलिडेटेड इम्पोर्टर-एक्सपोर्टर कोड जारी करना और निर्यात को बढ़ावा देने वाला मिशन शुरू करना शामिल है।

# अब बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी कफ सिरप, केंद्र ने बदले नियम

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए कफ सिरप सहित सिरप आधारित दवाओं की बिना डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) के ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बिक्री पर रोक लगा दी है।

यह फैसला सरकार द्वारा अनुसूची-के के तहत छूट प्राप्त दवाओं की श्रेणी से 'सिरप' शब्द हटाने के बाद लिया गया है, जिससे ऐसी दवाओं पर नियामकीय निगरानी और सख्त हो गई है।

यह बदलाव ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 के तहत अधिसूचित किया गया है, जिसका उद्देश्य सिरप आधारित दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

ड्रग्स रूल्स, 1945 की 'अनुसूची-के' में उन दवाओं की श्रेणियां शामिल हैं, जिन्हें कुछ शर्तों के साथ उनके निर्माण, बिक्री और वितरण से जुड़े कानूनों के कुछ प्रावधानों से छूट दी गई थी। ये छूट मूल रूप से कुछ विशेष परिस्थितियों में लोगों को दवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए दी गई थीं।

संशोधन से पहले यह प्रावधान था कि 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कफ सिरप को कुछ खुदरा बिक्री लाइसेंस नियमों का पालन किए बिना बेचा जा सकता था। लेकिन अब इस बदलाव के बाद यह छूट कफ सिरप पर लागू नहीं होगी।अब ऐसे गांवों में कफ सिरप की बिक्री और वितरण केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी के माध्यम से ही किया जा सकेगा। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सिरप आधारित दवाओं पर नियामकीय निगरानी को मजबूत करने और मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों को बेहतर बनाने के लिए किया गया है।मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से कफ सिरप के जिम्मेदाराना वितरण और बिक्री को बढ़ावा मिलेगा तथा पूरे देश में नियामकीय मानकों का बेहतर पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मंत्रालय ने कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों, वितरकों और विक्रेताओं को भी सलाह दी है कि वे ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट और ड्रग्स रूल्स के तहत लागू सभी लाइसेंस और नियामकीय आवश्यकताओं का सख्ती से पालन करें।

# सोने और चांदी में मुनाफावसूली, भाव 1.47 प्रतिशत तक लुढ़का

**मुंबई ।** लगातार दो सत्रों की तेजी के बाद सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.47 प्रतिशत तक कम हो गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,916 रुपए के मुकाबले 25 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,52,891 रुपए पर खुला।

दोपहर 12 बजे यह 0.27 प्रतिशत या 420 रुपए की कमजोरी के साथ 1,52,496 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,358 रुपए का निचला स्तर और 1,53,161 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

इसी प्रकार चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,51,458 रुपए के मुकाबले 2,50,457 रुपए पर खुला।

फिलहाल यह 3,709 रुपए या 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,47,749 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,46,544 रुपए का निचला स्तर और 2,51,467 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

वायदा के साथ हाजिर बाजार में भी कीमतों में बदलाव देखने को मिला है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 552 रुपए कम होकर 1,50,094 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,50,646 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

22 कैरेट सोने का दाम 1,37,922 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,37,486 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,12,571 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,12,985 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी की कीमत 4,421 रुपए कम होकर 2,47,067 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,51,488 रुपए प्रति किलो हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोना 0.29 प्रतिशत कमजोर होकर 4,339 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69.53 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

# सरकार की विनिवेश प्राप्तियां अप्रैल-जून तिमाही में 15,000 करोड़ रुपए को पार करने का अनुमान

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार की विनिवेश प्राप्तियां वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 15,000 करोड़ रुपए से पार निकलने का अनुमान है। इसकी वजह सरकार द्वारा पीएसयू में समय-समय पर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) लाना है।

इससे सरकार की गैर-कर पूंजीगत प्राप्तियां बढ़ेंगी और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ईंधन और उर्वरकों पर बढ़ी हुई सब्सिडी के बोझ को वहन करने में सरकार को मदद मिलेगी।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार ने इस तिमाही में विनिवेश के जरिए पहले ही लगभग 14,000 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में हिस्सेदारी की बिक्री के लिए ओएफएस लाया गया है। बाकी रकम का हिसाब जुड़ने पर यह कुल आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है।

सरकार वित्त वर्ष 27 के लिए 80,000 करोड़ रुपए के एसेट मोनेटाइजेशन प्रोग्राम पर काम कर रही है। इस कारण हिस्सेदारी बेचने की रफ्तार तेज हो गई है। इस योजना में आईडीबीआई बैंक में रणनीतिक विनिवेश और आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री शामिल है।

इसके अलावा, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) समेत चुनिंदा सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी कम करना भी मध्यम अवधि का एक विकल्प बना हुआ है।

इस आंकड़े से पता चलता है कि खर्च का दबाव बढ़ने पर केंद्र सरकार के वित्त को सहारा देने में गैर-कर पूंजी प्राप्तियों की क्या भूमिका है। विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन से ज्यादा कमाई होने पर राजकोषीय बोझ का कुछ हिस्सा कम हो सकता है और सरकार वित्त वर्ष 27 के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में ज्यादा सक्षम हो सकती है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2027 में अब तक गैर-कर पूंजी प्राप्तियों के जरिए 21,732.23 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसमें विनिवेश से मिली रकम का हिस्सा सबसे ज्यादा, यानी 13,389.42 करोड़ रुपए रहा। वहीं, एसेट मॉनेटाइजेशन से 6,366.93 करोड़ रुपए और डिविडेंड से कुल 1,975.88 करोड़ रुपए मिले हैं।

# सरकार ने नए सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम को क्यों किया सस्पेंड?

**नई दिल्ली।** सरकार ने हाल ही में शुरू किए गए 'सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम' (सीबीएस) यानी देशव्यापी आपात सार्वजनिक चेतावनी नेटवर्क को अस्थायी रूप से रोक दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह कदम देर रात भेजे गए एक गलत अलर्ट के बाद उठाया गया, जिससे सिस्टम की विश्वसनीयता को लेकर सवाल खड़े हुए हैं।

'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने निलंबन के पीछे की स्पष्ट वजह नहीं बताई है, हालांकि इसके पीछे किसी तकनीकी गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश की आपदा प्रबंधन इकाइयों की ओर से जारी एक अलर्ट गलत प्राप्तकर्ता तक पहुंच गया था। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि यह अलर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क नंबर तक पहुंचा, जिसके बाद एहतियातन सेवा को रोक दिया गया।

नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने 12 जून 2026 को सिस्टम को अस्थायी रूप से रोकने संबंधी एक एडवाइजरी जारी की। इसके बाद अधिकारियों ने सिस्टम की तकनीकी और परिचालन संबंधी समीक्षा शुरू कर दी है, ताकि सेवाओं को सुरक्षित रूप से बहाल किया जा सके।

सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट मोबाइल फोन पर तेज चेतावनी ध्वनि उत्पन्न कर सकते हैं और साइलेंट मोड को भी ओवरराइड कर सकते हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में डिजास्टर मैनेजमेंट यूनिट्स की ओर से जारी किए गए एक अलर्ट के कारण आधी रात को फोन बजने लगे।

रिपोर्ट के अनुसार, यह निलंबन अस्थायी है और सेवा की बहाली तकनीकी समीक्षा के निष्कर्षों तथा एनडीएमए के अगले निर्देशों पर निर्भर करेगी। समीक्षा पूरी होने और सुरक्षा उपायों को मजबूत किए जाने के बाद आगे की जानकारी जारी की जाएगी।

एनडीएमए और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर टेलीकम्युनिकेशन्स विभाग के तहत 'सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स' द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित इस सिस्टम को मई 2026 में लॉन्च किया गया था, जो भारत के इमरजेंसी रिस्पॉन्स फ्रेमवर्क को एक बड़ी मजबूती देता है।

सरकार के अनुसार, इस एडवांस्ड सिस्टम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह आपदाओं, आपातकालीन स्थितियों और जन-सुरक्षा से जुड़ी ज़रूरी जानकारी सीधे नागरिकों के मोबाइल फ़ोन पर रियल-टाइम में पहुंचा सके।

इस प्रणाली के कार्यान्वयन से पहले देशव्यापी परीक्षण भी किया गया था, जिसके दौरान मोबाइल उपयोगकर्ताओं को बीप ध्वनि के साथ 'इमरजेंसी अलर्ट' संदेश प्राप्त हुए थे।

# प्राकृतिक गैस के भंडार में गिरावट और एलएनजी निर्यात में वृद्धि के चलते कीमतों में हुआ उल्लेखनीय सुधार: रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरुआत में भारी गिरावट के बाद प्राकृतिक गैस (नेचुरल गैस) की कीमतों में अब उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन्वेंट्री (भंडार) में कमी, निर्यात गतिविधियों में बढ़ोतरी और मौसमी बिजली मांग बढ़ने के कारण बाजार में मजबूती लौट रही है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार, प्राकृतिक गैस के प्रमुख मूल्य सूचकांक हेनरी हब की कीमत अप्रैल में 7.72 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) से गिरकर 2.77 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद कीमतें फिर से 3 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के ऊपर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अपेक्षा से कम स्टोरेज इंजेक्शन, बिजली क्षेत्र में बढ़ी खपत और अमेरिका की तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात क्षमता में लगातार विस्तार ने कीमतों को सहारा दिया है। हालिया इन्वेंट्री आंकड़े बताते हैं कि बाजार धीरे-धीरे संतुलन की ओर बढ़ रहा है। लगातार तीन सप्ताह तक गैस भंडारण में अपेक्षा से कम बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि साल-दर-साल आधार पर मौजूद अतिरिक्त स्टॉक अप्रैल के मुकाबले काफी कम हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के महीनों में गैस की अधिक आपूर्ति (सप्लाई ओवरहैंग) को लेकर चिंताएं काफी हद तक कम हो गई हैं। वहीं, यूरोप में गैस भंडारण के रुझान भी बाजार में धीरे-धीरे सख्ती आने का संकेत दे रहे हैं।

प्रमुख क्षेत्रों में गर्म मौसम के कारण बिजली की खपत बढ़ी है, जिससे बिजली उत्पादन कंपनियों द्वारा प्राकृतिक गैस की मांग में इजाफा हुआ है।

गर्मी के मौसम में कूलिंग की जरूरत बढ़ने के साथ बिजली कंपनियां बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए अधिक गैस का इस्तेमाल कर रही हैं।

# डेटिंग ऐप्स से क्यों भाग रही है Gen Z?

## प्यार ढूंढने का नया तरीका कर देगा हैरान

डेटिंग ऐप्स ने रिश्ते बनाने का तरीका जरूर बदल दिया, लेकिन अब कई त्नद्दठ्ठ युवा इनसे दूरी बनाते नजर आ रहे हैं. स्वाइप और चैट की बजाय वे असली मुलाकातों, साझा रुचियों और गहरे कनेक्शन को ज्यादा महत्व दे रहे हैं. आखिर इस बदलाव के पीछे क्या वजह है, आइए जानते हैं...

कुछ साल पहले तक डेटिंग ऐप्स को नए लोगों से मिलने और रिलेशनशिप शुरू करने का सबसे आसान तरीका माना जाता था. लेकिन अब तस्वीर धीरे-धीरे बदलती नजर आ रही है. कई रिपोर्ट्स और सर्वे बताते हैं कि त्नद्दठ्ठ यानी लगभग 18 से 28 साल की उम्र के युवा डेटिंग ऐप्स को लेकर पहले जितने उत्साहित नहीं हैं. इसके बजाय वे लोगों से वास्तविक जीवन में मिलने और रिश्ते बनाने को ज्यादा महत्व देने लगे हैं.

Gen Z का एक बड़ा वर्ग मानता है कि डेटिंग ऐप्स पर लगातार स्वाइप करने की प्रक्रिया कई बार थकाने वाली हो जाती है. बहुत सारे विकल्प होने के बावजूद सार्थक बातचीत और लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते बनाना आसान नहीं होता. कई युवाओं को ऐसा भी लगता है कि ऐप्स पर बातचीत अक्सर सतही रह जाती है और लोगों को वास्तव में जानने का मौका कम मिलता है. इसके अलावा, लगातार मैच, चैट और जवाब का इंतजार करना भी मानसिक रूप से थका सकता है. कुछ युवाओं का कहना है कि डेटिंग ऐप्स पर मौजूद रहने से तुलना और असुरक्षा की भावना भी बढ़ सकती है।

**अब किस तरीके से बन रहे हैं रिश्ते ?**

हाल के वर्षों में 'इन-पर्सन कनेक्शन' यानी आमने-सामने मिलकर रिश्ते बनाने का ट्रेंड बढ़ा है. Gen Z के कई युवा अब दोस्तों के जरिए, कॉलेज, ऑफिस, सामाजिक कार्यक्रमों, हॉबी क्लब्स और कम्युनिटी इवेंट्स में नए लोगों से मिलना पसंद कर रहे हैं. उनका मानना है कि वास्तविक मुलाकातों में किसी व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज, व्यवहार और व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है. इससे रिश्ते अधिक स्वाभाविक महसूस होते हैं.

**साझा रुचियों को दे रहे हैं महत्व**

आज की युवा पीढ़ी सिर्फ प्रोफाइल फोटो देखकर फैसला लेने के बजाय साझा रुचियों और समान सोच वाले लोगों को प्राथमिकता दे रही है. बुक क्लब, फिटनेस ग्रुप, ट्रैवल कम्युनिटी, वर्कशॉप और अन्य सामाजिक गतिविधियां ऐसे लोगों से मिलने का माध्यम बन रही हैं, जिनकी पसंद और जीवनशैली मिलती-जुलती हो.

**क्या डेटिंग ऐप्स का दौर खत्म हो रहा है?**

ऐसा कहना सही नहीं होगा. आज भी लाखों लोग डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं और कई सफल रिश्ते भी वहीं से शुरू होते हैं. हालांकि त्नद्दठ्ठ के एक हिस्से में यह सोच जरूर बढ़ रही है कि रिश्तों की शुरुआत सिर्फ स्क्रीन पर नहीं, बल्कि वास्तविक दुनिया में भी हो सकती है।

# थम जाएगी बढ़ती उम्र और बीमारियां रहेंगी दूर! 'वेजिटेबल डे' पर जानें इन 5 सब्जियों को खाने के फायदे

'वेजिटेबल डे' हर साल 17 जून को 'नेशनल ईट योर वेजिटेबल्स डे' के तौर पर मनाया जाता है. हेल्दी खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने के लिए साल भर अलग-अलग तारीखों पर कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं.

स्वस्थ जीवन और लंबी उम्र के लिए संतुलित आहार बहुत जरूरी है. इसे बढ़ावा देने और सब्जियों के फायदे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 17 जून को 'वेजिटेबल डे' (Vegetable Day) मनाया जाता है. सब्जियों में विटामिन, मिनरल, फ़ाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं. आइए जानते हैं 5 सब्ज़ियों के बारे में जिन्हें नियमित रूप से खाने से आपकी सेहत बेहतर हो सकती है।

पालक: पालक को पोषक तत्वों का खजाना माना जाता है. इसमें आयरन, कैल्शियम और विटामिन८, ष्ट और च भरपूर मात्रा में होते हैं. पालक खाने से इम्यूनिटी बढ़ती है, आंखों की रोशनी बेहतर होती है और हड्डियां मजबूत होती हैं.

ब्रोकोली: ब्रोकोली में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. यह शरीर में सूजन को कम करने और त्वचा को नुकसान से बचाने में मदद कर सकती है. नियमित रूप से ब्रोकोली खाने से दिल की सेहत को भी फायदा हो सकता है।

गाजर: गाजर बीटा-कैरोटीन का बेहतरीन स्रोत है, जिसे शरीर विटामिन में बदलता है. ये आंखों की सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है. साथ ही, इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं.

टमाटर: टमाटर में लाइकोपीन नाम का एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है. यह शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है. टमाटर का नियमित सेवन दिल की सेहत और त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है.

शिमला मिर्च: शिमला मिर्च में विटामिन ष्ट और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं. यह इम्यूनिटी को मजबूत करने और शरीर की सुरक्षा करने में मदद कर सकती है. शिमला मिर्च में भी एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं।इनका सेवन क्यों जरूरी है?: विशेषज्ञों के अनुसार, इन खाद्य पदार्थों का रोजाना सेवन करने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं. ये पाचन तंत्र के कामकाज को बेहतर बनाते हैं, जबकि इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने और कई तरह की पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं.( Disclaimer : इस खबर में दी गई जानकारी और सलाह विशेषज्ञों से हुई बातचीत पर आधारित है. ये सामान्य जानकारी है, व्यक्तिगत सलाह नहीं. इसलिए किसी भी सलाह को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें. किसी भी नुकसान के लिए न्यूज-18 जिम्मेदार नहीं रहेगा।

# रोज 4-5 अंडा खाने वाले हो जाएं सावधान, गर्मी में ज्यादा सेवन से हो सकती हैं ये 5 समस्याएं

अंडा प्रोटीन का अच्छा सोर्स होता है, लेकिन गर्मियों में इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए. गर्मियों में इसका ज्यादा सेवन करने से डिहाइड्रेशन, गैस, अपच और डिसकंफर्ट जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं. गर्मी में लोगों को 1 या 2 अंडे से ज्यादा नहीं खाने चाहिए. सही मात्रा में सेवन करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है.

हमारी मसल्स को मजबूत बनाने के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है. प्रोटीन की कमी दूर करने के लिए अधिकतर लोग अंडा खाना पसंद करते हैं. एक अंडा में करीब 6 से 8 ग्राम प्रोटीन होता है और सर्दियों में लोग जमकर अंडे का सेवन करते हैं. अंडा की तासीर गर्म होती है, जिस वजह से इसे ठंड के मौसम में गर्माहट देने वाला फूड माना जाता है. अंडा प्रोटीन, विटामिन और कई जरूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन सोर्स माना जाता है. गर्मियों के मौसम में अक्सर सवाल उठता है कि क्या ज्यादा अंडे खाना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की फाउंडर और डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने मीडिया को बताया अंडे को पोषण के लिहाज से बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है, जिसकी वजह से इसे पचाने में शरीर को ज्यादा

एनर्जी खर्च करनी पड़ती है. इसी वजह से कुछ लोगों को अंडा खाने के बाद शरीर में गर्मी या असहजता महसूस हो सकती है. इसका मतलब यह नहीं है कि गर्मियों में अंडे पूरी तरह छोड़ देने चाहिए. समस्या तब पैदा हो सकती है, जब इनका सेवन जरूरत से ज्यादा किया जाए. गर्म मौसम में शरीर पहले से ही पसीने के जरिए ज्यादा पानी खोता है. ऐसे में अगर कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा अंडे खाता है और पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीता, तो डिहाइड्रेशन का जोखिम बढ़ सकता है.

एक्सपर्ट की मानें तो कुछ लोगों को ज्यादा मात्रा में अंडे खाने से पेट फूलना, गैस, अपच या कब्ज जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. खासकर जिनका पाचन तंत्र सेंसिटिव होता है, उन्हें अंडों को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए. अगर अंडे के साथ फाइबर युक्त फूड्स और पर्याप्त फ्लूड न लिए जाएं, तो पाचन संबंधी परेशानी बढ़ सकती है. वैज्ञानिक रूप से अंडों और मुंहासों के बीच सीधा संबंध स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को अधिक अंडे खाने के बाद शरीर में गर्मी महसूस हो सकती है. कुछ मामलों में चेहरे पर पिंपल्स या त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ने की शिकायत भी देखी गई है.

डाइटिशियन का कहना है कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए अंडों की सही मात्रा उसकी उम्र, शारीरिक गतिविधि, स्वास्थ्य स्थिति और पोषण संबंधी जरूरतों पर निर्भर करती है. कई लोगों के लिए रोजाना 1 से 2 अंडे संतुलित आहार का हिस्सा हो सकते हैं, जबकि एथलीट या हाई-प्रोटीन डाइट लेने वाले लोगों की जरूरतें अलग हो सकती हैं. गर्मी के मौसम में अंडों के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है. इसके अलावा खीरा, तरबूज, खरबूजा, दही और अन्य हाइड्रेटिंग फूड्स को भी डाइट में शामिल करना चाहिए. अंडों को हमेशा अच्छी तरह पकाकर खाएं और लंबे समय तक खुले में रखे अंडों का सेवन करने से बचें।

# सिर्फ एक महीने के लिए बाजार में आता है जंगली मुरेला! फायदों में करेला भी पड़ जाता है पीछे, नोट करें रेसिपी

जंगली मुरेला एक मौसमी देसी सब्जी है, जिसे कई क्षेत्रों में करेला का छोटा भाई भी कहा जाता है. यह सब्जी मुख्य रूप से बरसात के मौसम में सीमित समय के लिए बाजार में दिखाई देती है और अपने औषधीय गुणों के कारण काफी पसंद की जाती है।

स्वाद में हल्की कड़वाहट लिए यह सब्जी पोषक तत्वों से भरपूर मानी जाती है. ग्रामीण इलाकों में इसे पाचन सुधारने, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रक्त शर्करा नियंत्रण में सहायक माना जाता है. इसकी सब्जी बनाने के लिए मुरेला को धोकर छोटे टुकड़ों में काटा जाता है और प्याज, टमाटर व मसालों के साथ भूनकर पकाया जाता है. कुछ लोग इसे कुरकुरा तलकर भी खाते हैं.

बारिश का मौसम आते ही बाजारों में कई तरह की देसी और मौसमी सब्जियां नजर आने लगती हैं. इनमें एक ऐसी सब्जी भी है, जिसे लोग करेले का छोटा भाई कहते हैं. नाम है मुरेला. आकार में छोटा और स्वाद में करेले से भी ज्यादा कड़वा यह देसी खजाना सालभर नहीं, बल्कि केवल कुछ दिनों के लिए ही बाजार में दिखाई देता है.

इस देसी को बहुत से लोग जानते तक नहीं हैं. हालांकि ग्रामीण इलाकों में इसे औषधीय गुणों से भरपूर सब्जी माना जाता है. सब्जी व्यापारियों के अनुसार मुरेला पूरी तरह प्राकृतिक रूप से बरसात के मौसम में जंगलों और झाड़ियों में उगता है. इसकी उपलब्धता बेहद सीमित होती है.

सब्जी व्यापारी बताते हैं कि मुरेला की सब्जी बनाने का तरीका बिल्कुल करेले जैसा ही होता है. हालांकि स्वाद के मामले में यह करेले से भी अधिक कड़वा होता है. आकार छोटा होने के बावजूद इसके गुण इसे खास बनाते हैं. स्थानीय लोग इसे शुरूआती बरसात की सबसे उपयोगी देसी सब्जियों में गिनते हैं.

मुरेला एक प्रकार की वनस्पति जड़ी-बूटी की तरह काम करता है. यह साल में केवल एक बार ही बाजार में आता है और इसकी कीमत आमतौर पर 50 से 80 रुपये प्रति किलो तक रहती है. मुरेला का सीजन ककोड़ा सब्जी के आसपास ही शुरू होता है, लेकिन इसकी उपलब्धता उससे भी कम समय तक रहती है.

मुरेला औषधीय गुणों का खजाना है. इसमें विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं यह खास देसी सब्जी सब्जी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन तंत्र को मजबूत बनाने और मौसमी संक्रमणों से बचाव में सहायक मानी जाती है.

विशेषज्ञों के अनुसार मुरेला का नियमित और संतुलित सेवन ताप-ज्वर जैसे मौसमी बुखारों से बचाव में मददगार हो सकता है. इसके अलावा यह आंखों की सेहत के लिए भी लाभकारी माना जाता है. यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग आज भी इस देसी सब्जी को औषधीय भोजन के रूप में महत्व देते हैं.

कम समय के लिए बाजार में आने वाली यह अनोखी सब्जी स्वाद में भले ही कड़वी हो, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ इसे बरसात के मौसम की सबसे खास देसी सब्जियों में शामिल कर देते हैं. मुश्किल से मुरेला बाजारों में महीनेभर के लिए आता है. इसलिए इसकी डिमांड भी अच्छी रहती है।

# सुनील ग्रोवर ने योग को बताया जीवन का सबसे लाभदायक निवेश, आयुष मंत्रालय ने शेयर किया वीडियो

विश्व योग दिवस 2026 के आयोजन में अब केवल सात दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में आयुष मंत्रालय देशभर के लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और उन्हें नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर का एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ग्रोवर योग को जीवन का सबसे लाभदायक निवेश बताते नजर आए।

इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने के लिए योग बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्रालय लगातार विभिन्न क्षेत्रों

की प्रसिद्ध हस्तियों के वीडियो पोस्ट कर लोगों तक योग का संदेश पहुंचा रहा है।

आयुष मंत्रालय द्वारा साझा किए गए वीडियो में सुनील ग्रोवर बेहद सरल और मजाकिया अंदाज में योग के महत्व को समझाते नजर आए। वीडियो में वह कहते हैं, मेरे पास एक बहुत अच्छा बिजनेस आइडिया है। उन्होंने कहा, 'आपने सुना होगा कि हेल्थ इज वेल्थ। इसलिए योग कीजिए। साल के 365 दिन योग कीजिए और स्वस्थ रहिए। जब आप स्वस्थ होंगे तो धन भी कमा सकेंगे और जीवन का आनंद भी उठा सकेंगे।'

मंत्रालय ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि जब देश का पसंदीदा मनोरंजन कलाकार कोई वेलनेस टिप देता है तो वह निश्चित रूप से लोगों को प्रेरित करती है। मंत्रालय ने योग को ऐसा निवेश बताया है, जिसका लाभ पूरे जीवन मिलता है। संदेश में कहा गया कि यदि स्वास्थ्य ही असली संपत्ति है, तो प्रतिदिन योग करना एक उच्च लाभ देने वाला निवेश है। यह निवेश मानसिक शांति, शारीरिक मजबूती और बेहतर जीवनशैली के रूप में सकारात्मक परिणाम देता है।

आयुष मंत्रालय का मानना है कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करती है। विश्व योग दिवस 2026 के अवसर पर मंत्रालय लोगों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील कर रहा है।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस अवसर पर देश और दुनिया में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

# फैशन के साथ किस्मत का कनेक्शन! जानें ग्रीन डायल वॉच को लेकर ज्योतिष क्या कहता है

हरे डायल वाली घड़ी को ज्योतिष में बुध ग्रह और हार्ट चक्र से जोड़ा जाता है. मान्यता है कि यह व्यक्ति को संवेदनशील, समर्पित और रिश्तों के प्रति ईमानदार बना सकती है.

कई लोग घड़ी को सिर्फ समय देखने का साधन मानते हैं, लेकिन ज्योतिष और रंगों की ऊर्जा पर भरोसा करने वाले लोगों के लिए यह एक खास मायने रखती है. इन दिनों ग्रीन डायल यानी हरे रंग की घड़ियां सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इन्हें सकारात्मक ऊर्जा और भावनात्मक संतुलन से भी जोड़ा जा रहा है. ज्योतिष मान्यताओं के

मुताबिक, हर रंग किसी न किसी ग्रह और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है. माना जाता है कि हरा रंग बुध ग्रह का प्रतीक है, जो संवाद, समझदारी, रिश्तों और मानसिक संतुलन से जुड़ा होता है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हरे डायल वाली घड़ी पहनने से व्यक्ति के स्वभाव और काम करने के तरीके पर असर पड़ सकता है?

**हरा रंग और दिल से जुड़ाव की मान्यता**

ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार, हरा रंग दिल और भावनाओं से जुड़ी ऊर्जा को मजबूत करने वाला माना जाता है. कई लोग इसे हार्ट चक्र से भी जोड़कर देखते हैं. मान्यता है कि जब कोई व्यक्ति हरे रंग की घड़ी पहनता है, तो वह अपने काम और रिश्तों में ज्यादा संवेदनशील और समर्पित हो सकता है. ऐसे लोग अक्सर काम को सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अपने जुनून की तरह लेते हैं. वे किसी भी काम में पूरी ईमानदारी और दिलचस्पी दिखाते हैं.

**प्रैक्टिकल सोच से ज्यादा भावनाएं हो सकती हैं हावी**

हालांकि, ज्योतिष यह भी कहता है कि हर ऊर्जा के दो पहलू होते हैं. हरे रंग का प्रभाव बढ़ने पर कई बार व्यक्ति फैसले भावनाओं के आधार पर लेने लगता है. ऐसे लोग समय, मुनाफे या अपने फायदे से ज्यादा सामने वाले की जरूरतों को अहमियत देते हैं. आसान शब्दों में कहें तो वे अक्सर 10 रुपये लेकर 20 रुपये का काम कर देते हैं. कारोबार में भी ऐसे लोगों की पहचान भरोसेमंद और मददगार इंसान के रूप में होती है।

# जब अमृता राव ने ठुकराई सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में

## इस तरह बनाई इंडस्ट्री में अलग पहचान

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दीरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के बल पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई।

### करियर की शुरुआत

अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी।

### यादगार फिल्में

'इश्क विश्क' और 'विवाह' जैसी फिल्मों ने अमृता को घर-घर में पहचान दिलाई। उनकी सादगी और शानदार एक्टिंग ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई।

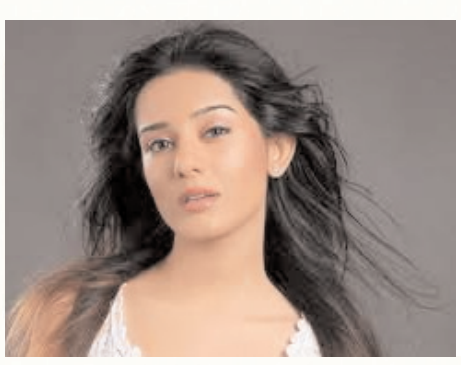

### बड़े ऑफर ठुकराए

- रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनो' पहले अमृता को ऑफर हुई थी, लेकिन किसिंग सीन की वजह से उन्होंने इसे ठुकरा दिया।
- सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन प्रायो' में उन्हें सलमान की बहन का किरदार ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।
- 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की।

### निजी जीवन

अमृता राव ने रेडियो जॉकी अनमोल सूद से शादी की है और आज वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

# डिस्को डांसर : अमिताभ, धर्मेंद्र, और जीतेंद्र के दौर में रूस में मिथुन दा का जादू, आज भी स्क्रीन पर जलवा कायम

**मुंबई ।** बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को 'डिस्को डांसर' के नाम से जाना जाता है, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब रूस और पूर्व सोवियत संघ के देशों में उनकी लोकप्रियता किसी अंतरराष्ट्रीय सुपरस्टार से कम नहीं थी। वहां लोग उनके डांस स्टेप्स की नकल करते थे, उनके जैसे कपड़े पहनते थे और उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते थे। इस सफलता के पीछे संघर्ष, मेहनत और लगातार खुद को साबित करने की लंबी कहानी छिपी हुई है।

मिथुन चक्रवर्ती का जन्म 16 जून 1950 को कोलकाता में हुआ था। उनका असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से अभिनय सीखा। उन्होंने भाई की अचानक मृत्यु के बाद परिवार के साथ रहने और जीवन में नया रास्ता चुनने का फैसला किया।

फिल्मी दुनिया में उनका सफर 1976 में 'मृगया' से शुरू हुआ। पहली ही फिल्म में उनके अभिनय को इतनी सराहना मिली कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। हालांकि, उनका रास्ता आसान नहीं रहा। कई साल तक उन्हें लगातार संघर्ष करना पड़ा। साल 1982 में आई फिल्म 'डिस्को डांसर' ने उनकी जिंदगी बदल दी। फिल्म में निभाया गया 'जिमी' का किरदार और इसके गाने लोगों के दिलों पर छा गए। भारत में तो फिल्म सुपरहिट रही ही, लेकिन इसकी असली गूंज रूस और सोवियत संघ के देशों में सुनाई दी।

वहां के दर्शकों ने मिथुन को सिर आंखों पर बिठा लिया। यह वो दौर था, जब अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और जीतेंद्र समेत अन्य कलाकारों का इंडस्ट्री में बोलबाला था। लेकिन, बताया जाता है कि उस समय रूस में बच्चे से लेकर बड़े तक मिथुन चक्रवर्ती के डांस स्टेप्स की नकल करते थे। कई लोग उनकी तरह हेयरस्टाइल रखते थे और उनके पोस्टर घरों में लगाए जाते थे। रूस में उनकी लोकप्रियता इतनी ज्यादा थी कि कई रिपोर्ट्स में उन्हें उस समय भारत के सबसे बड़े चेहरों में से एक बताया गया। उनकी फिल्में वहां बार-बार दिखाई जाती थीं और दर्शक उन्हें देखने के लिए थिएटरों में उमड़ पड़ते थे।

इसके बाद मिथुन ने 'प्यार झुकता नहीं', 'कमांडो', 'डांस डांस', 'कसम पैदा करने वाले की', 'अग्निपथ' समेत कई सफल फिल्मों में काम किया। हालांकि उनके करियर में मुश्किल दौर भी आया।

# राजकुमार हिरानी के साथ काम करना सौभाग्य की बात है : अरशद वारसी

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की जोड़ी ने मिलकर कई हिट फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर दोनों एक नए प्रोजेक्ट के जरिए साथ नजर आने वाले हैं। राजकुमार हिरानी डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इसमें अरशद वारसी अहम भूमिका में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सीरीज में काम करने को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

मीडिया से बात करते हुए अरशद वारसी ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे राजकुमार हिरानी जैसे निर्देशक के साथ काम करने का मौका मिले। उनकी फिल्मों और कहानियों की अपनी अलग पहचान है, इसलिए उनके साथ काम करना किसी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। मेरा सौभाग्य है कि मुझे अब तक दो बार हिरानी के साथ काम करने का मौका मिला और अब मैं तीसरी बार भी उनके साथ काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए खुशी और गर्व की बात है कि हिरानी लगातार मुझ पर भरोसा जताते रहे हैं।

अरशद ने कहा, ''राजकुमार हिरानी ने मुझे हर बार अलग तरह के किरदार निभाने का मौका दिया है। एक अभिनेता के लिए सबसे बड़ी खुशी यही होती है कि उसे एक जैसे किरदारों तक सीमित न रखा जाए। वह हमेशा कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने के लिए प्रेरित करते हैं। मुझे अब तक उनके हर नए प्रोजेक्ट में अपनी अभिनय क्षमता का नया पक्ष दिखाने का अवसर मिलता रहा है। मुझे ऐसे किरदार निभाने में बेहद मजा आता है और मैं आगे भी हिरानी के साथ कई और प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं।

अरशद वारसी ने आगे कहा, 'राजकुमार हिरानी ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने मेरे करियर के अहम पड़ावों पर मेरा साथ दिया। जब मेरे करियर को नई दिशा की जरूरत थी, तब उन्होंने मुझे कई शानदार अवसर दिए और कई मौकों पर मेरा समर्थन भी किया।

सीरीज की बात करें तो, इसका निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। वहीं राजकुमार हिरानी ने सीरीज को क्रिएट और प्रोड्यूस किया है।

# सोना महापात्रा बर्थडे : आवाज में लोक संगीत की मिठास और गायन की खास शैली, गानों के साथ विवादों से भी रहा नाता

**मुंबई ।** बॉलीवुड की दमदार आवाजों में शुमार गायिका सोना महापात्रा बुधवार को अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। 17 जून 1976 को जन्मीं सोना ने अपनी गायकी, स्वतंत्र सोच और बेबाक व्यक्तित्व के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई यादगार गाने दिए और संगीत की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान हासिल किया।

सोना का संगीत से जुड़ाव बचपन से ही रहा। हालांकि उन्होंने पढ़ाई के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियां हासिल कीं। भुवनेश्वर के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से बीटेक (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) करने के बाद उन्होंने सिम्बायोसिस, पुणे से एमबीए की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने कॉरपोरेट जगत में भी काम किया और मारिको जैसी कंपनी से जुड़कर पाराशूट और मेडिकर जैसे बड़े ब्रांड्स को संभाला।

लेकिन संगीत के प्रति उनका लगाव उन्हें सुरों की दुनिया में खींच लाया। जिंगल्स से अपने संगीत सफर की शुरुआत करने वाली सोना ने वर्ष 2007 में अपना पहला एल्बम 'सोना' रिलीज किया, जिसे श्रोताओं की ओर से बढ़िया प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद उन्होंने कई लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज़ दी और अपनी अलग गायकी शैली से पहचान बनाई। आमिर खान के चर्चित शो 'सत्यमेव जयते' में उनकी प्रस्तुतियों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी आवाज में लोक संगीत की मिठास और समकालीन संगीत का मेल साफ दिखाई देता है। पति और संगीतकार राम संपत के साथ मिलकर वह स्वतंत्र संगीत को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम कर रही हैं। दोनों ने 'ओमग्राउन म्यूजिक' के जरिए कई प्रयोगात्मक और फोक-पॉप प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। सोना महापात्रा सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि अपनी स्पष्ट राय रखने वाली कलाकार के रूप में भी जानी जाती हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां अक्सर चर्चा का विषय बनी हैं। अपने विचारों को खुलकर रखने की उनकी शैली ने उन्हें संगीत जगत की विशिष्ट आवाजों में शामिल किया है।

अब, जब सोना महापात्रा अपने जीवन के 50वें पड़ाव में प्रवेश कर रही हैं, उनके प्रशंसक उनके संगीत, व्यक्तित्व और अब तक के सफर को सलाम कर रहे हैं और आने वाले वर्षों में उनकी नई प्रस्तुतियों का इंतजार कर रहे हैं।

# 'अलायंस' से रियलिटी शो होस्टिंग में डेब्यू करेंगे कुणाल खेमू, 26 जून से होगी स्ट्रीमिंग

**मुंबई ।** बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू जल्द ही रियलिटी शो होस्ट के रूप में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वह नई सीरीज़ 'अलायंस' को होस्ट करेंगे, जो 26 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

अलायंस', जॉन डी मोल द्वारा निर्मित और वैश्विक स्तर पर प्रशंसित टाल्पा स्टूडियोज के डच फॉर्मेट का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है। इस हिंदी रियलिटी शो

को बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है। इस रियलिटी शो में 16 प्रतियोगी शुरुआत में तो सहयोगी के रूप में प्रवेश करेंगे, लेकिन अंतिम पुरस्कार (विजेता ट्रॉफी) की इस होड़ में बदलती वफादारी, आपसी छल और रणनीतिक दांव-पेच हर गठबंधन की कड़ी परीक्षा लेंगे।

बनिजे एशिया के फाउंडर और ग्रुप सीईओ दीपक धर ने एक बयान में कहा, 'शो का नाम देखते हुए, यह कहना सही होगा कि हम इस प्रोजेक्ट के लिए प्राइम वीडियो के साथ जुड़कर बहुत उत्साहित हैं। इस फॉर्मेट की जिस बात ने हमें आकर्षित किया, वह थी इसका विशाल पैमाना। इसके गेम्स बड़े और सिनेमैटिक हैं और ऐसे हैं, जो हमने पहले कभी नहीं किए।'

उनके मुताबिक, 'सिर्फ़ दिखावे से कोई फ़ॉर्मेट शानदार नहीं बनता। 'अलायंस' को जो चीज़ खास बनाती है, वह है रणनीति और परफॉर्मेंस के बीच लगातार चलने वाला तालमेल।

# 'एमटी सेट्टेबेलो' से रेस्क्यू किए गए 21 नाविक लौटे स्वदेश, भारतीय दूतावास ने की पुष्टि

**मस्कट।** ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने जहाज एमटी सेट्टेबेलो से रेस्क्यू किए गए 21 भारतीय नाविकों के भारत लौटने की जानकारी दी। दूतावास ने विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के ओमान में राजदूत प्रशांत पीसे ने उनके स्वदेश लौटने से पहले क्रू के सदस्यों से मुलाकात की, उन्हें शुभकामनाएं दीं और कठिन परिस्थिति में उनके साहस और धैर्य बनाए रखने की सराहना की।

भारतीय दूतावास के अनुसार, पलाऊ-ध्वज वाले जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर ओमान के सोहर तट से लगभग 30 समुद्री मील दूर हमला हुआ था। इस घटना में 21 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया, जबकि 3 नाविकों की मृत्यु हो गई।

मंगलवार को दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एमटी सेट्टेबेलो, एक पलाऊ-ध्वज वाला जहाज, ओमान के सोहर तट से लगभग 30 समुद्री मील दूर था जब उस पर हमला हुआ। ओमान मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर को तुरंत सूचित किया गया, जिसके आधार पर संबंधित ओमानी अधिकारियों ने खोज और बचाव अभियान शुरू किया। 21 भारतीय चालक दल को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन इस दुखद समुद्री घटना में 3 लोगों की जान चली गई।'

पिछले सप्ताह, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बात की और अमेरिका की नौसेना द्वारा ओमान की खाड़ी में एक तेल टैंकर पर किए गए हमले के बाद कड़ा कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया, जिसमें तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी।

विदेश मंत्री ने बातचीत में कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर इस तरह की जानलेवा कार्रवाई 'उचित नहीं है।'

इससे पहले, 12 जून को भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब कर लगातार हो रहे हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी प्रेस ब्रीफिंग में दी थी। उन्होंने बताया कि भारत ने कमर्शियल वेसल पर हमले और तीन नाविकों की मौत को लेकर सख्त ऐतराज जताया और यह भी उम्मीद की है कि ऐसे हमले तुरंत रोके जाएं।

# शी चिनफिंग ने म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ वार्ता की

**बीजिंग।** चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार की सुबह पेइचिंग में यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के साथ वार्ता की।

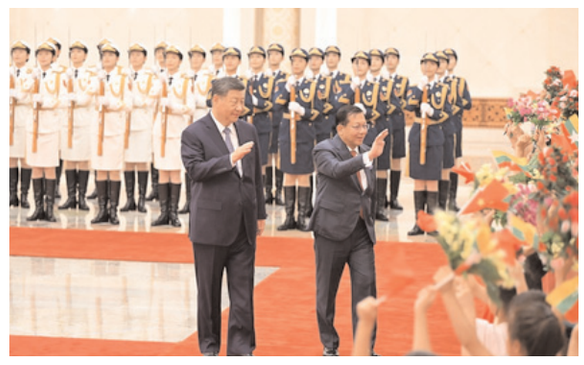

शी ने कहा कि चीन और म्यांमार के बीच भाइयों जैसी गहरी मित्रता है। चीन म्यांमार के संबंध का विकास करना अपनी पड़ोसी कूटनीति के अहम स्थान पर रखता है। चीन दूसरे के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप नहीं करने के सिद्धांत पर कायम रहता है। चीन म्यांमार द्वारा राष्ट्रीय प्रभुसत्ता व प्रादेशिक अखंडता का समर्थन करता है और म्यांमार की नई सरकार द्वारा सुरक्षा और विकास को तालमेल बनाकर राष्ट्रीय स्थिति के अनुरूप जनता के समर्थन प्राप्त सही विकास रास्ता निकालने का समर्थन करता है।

शी ने बल दिया कि चीन म्यांमार का विश्वसनीय दोस्त और साझेदार है। दोनों पक्षों को रणनीतिक स्थिरता बनाए रखकर एकता व समन्वय मजबूत करना चाहिए। चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा बेल्ट एंड रोड के सह निर्माण की फ्लैगशिप परियोजना है। दोनों पक्षों को सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूर्व शर्त में अहम परियोजनाओं को आगे बढ़ाना चाहिए। मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार और चीन की भाइयों जैसी मित्रता का लंबा इतिहास है। अब दोनों देश सुख-दुःख में साथ देने वाला साझा भविष्य वाले समुदाय निर्मित करने के नए चरण में बढ़ रहे हैं। म्यांमार चीन से लंबे समय से म्यांमार के विकास, स्थिरता, शांति और सुलह के लिए दी गई निस्वार्थ सहायता के प्रति आभारी है। म्यांमार चीन के साथ चौतरफा सहयोग मजबूत करने, म्यांमार चीन आर्थिक गलियारे का सह निर्माण करने और व्यापार व निवेश का स्तर उन्नत करने की प्रतीक्षा करता है। वार्ता के बाद दोनों राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में दोनों पक्षों ने यातायात, जनजीवन आदि क्षेत्रों के अनेक सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

## संक्षिप्त खबर

### स्विट्जरलैंड में शांति वार्ता के लिए ईरानी टीम का नेतृत्व करेंगे स्पीकर गालिबाफ

**तेहरान।** स्विट्जरलैंड में यूएस-ईरान शांति वार्ता आगामी 19 जून को होनी तय की गई है। ईरानी टीम का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ करेंगे तो वहीं अमेरिका का मोर्चा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस संभालेंगे। दोनों पक्षों के बीच ई-हस्ताक्षर की पुष्टि की गई। मंगलवार को ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत शुक्रवार को जिनेवा में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद शुरू होगी। समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, उन्होंने बताया कि ईरान की टीम का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ करेंगे, जबकि अमेरिकी पक्ष की ओर से वार्ताकारों का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। तख्त-रवांची ने कहा, 'हस्ताक्षर समारोह के लिए स्विट्जरलैंड को चुना गया है, हालांकि सटीक स्थान अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद अगले दौर की बातचीत शुरू हो जाएगी।' इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने भी बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत का नया दौर शुक्रवार से स्विट्जरलैंड में शुरू होगा।

### बलूचिस्तान में शिक्षकों को जबरन किया जा रहा रिटायर, छात्र संगठनों ने जताई आपत्ति

**क्वेटा।** एक प्रमुख छात्र संगठन ने पाकिस्तान में शिक्षकों और अन्य सरकारी कर्मचारियों की जबरन सेवानिवृत्ति और उनके खिलाफ की जा रही प्रतिशोधात्मक कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इसे 'अलोकतांत्रिक और दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है। बलोच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी (बीएसएसी) ने चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि जबरन सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया का इस्तेमाल उन शिक्षकों और कर्मचारियों को डराने के लिए किया जा रहा है, जो अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं। छात्र संगठन के अनुसार, ये कदम एक 'साजिश' का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य बलूचिस्तान को शिक्षा के मामले में पिछड़ा रखना और वहां की साक्षरता दर को और कम करना है। संगठन ने कहा कि पूरे प्रांत में शिक्षकों की भारी कमी के कारण कई स्कूल पहले ही बंद हो चुके हैं, जिन्हें अक्सर 'गोस्ट स्कूल' (स्कूल तो है लेकिन पढ़ाने और पढ़ने वाले नहीं) कहा जाता है। बीएसएसी ने कहा, 'बलूचिस्तान में लंबे समय से शिक्षा की स्थिति दयनीय बनी हुई है। हर सरकार शिक्षा सुधार के दावे करती है, लेकिन वास्तविकता में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। संगठन ने कहा कि कई क्षेत्रों में न तो शिक्षक हैं, न गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और कई जगहों पर स्कूल ही मौजूद नहीं हैं।' संगठन ने इसे प्रांत की 'शैक्षिक पिछड़ेपन' की पीड़ादायक तस्वीर बताया और कहा कि इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बीएसएसी ने यह भी कहा कि पिछले एक साल में सरकारी कर्मचारी (जिनमें कई प्रोफेसर और शिक्षक शामिल हैं) अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन करते हुए भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि सरकार लगातार शिक्षा क्षेत्र में सुधार के दावे करती है, लेकिन इन शिक्षकों की जायज मांगों पर कोई ध्यान नहीं देती।

# बीवाईसी ने जेल में 'फेसलेस ट्रायल' के खिलाफ धरना दिया, न्याय प्रक्रिया पर उठाए सवाल

**क्वेटा।** मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के नेताओं ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा स्थित हुडा जेल के अंदर धरना दिया। इनका विरोध उस ट्रायल पर था जो 'फेसलेस' था, जिसे वे 'असंवैधानिक, अवैध' और पारदर्शी न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ मानते हैं।

बीवाईसी ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में कहा कि यह विरोध मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। संगठन का आरोप है कि पाकिस्तानी जेल प्रशासन ने जेल के अंदर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं।

बीवाईसी के अनुसार, 'जेल के अंदर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। हमारे नेताओं के परिजन और वकील घंटों इंतजार करते हैं, इसके बावजूद उनसे नहीं मिल पा रहे हैं।' संगठन ने आशंका जताई कि इस स्थिति में राज्य संस्थाएं हिरासत में लिए गए नेताओं पर दबाव बना सकती हैं या उत्पीड़न की कोशिश कर सकती हैं।

संगठन ने मांग की कि राजनीतिक कैदियों के कानूनी और मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए, जेल के अंदर चल रही सभी 'अवैध कार्रवाइयों' को तुरंत रोका जाए और उनके नेताओं के खिलाफ चल रहे 'फेसलेस ट्रायल' को समाप्त किया जाए।

बीवाईसी ने कहा कि उसके नेता पिछले 14 महीनों से बिना किसी वास्तविक अपराध के हिरासत में हैं। संगठन के अनुसार, इस दौरान शारीरिक रिमांड, मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न सहित कई तरीकों से नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश की गई है। पहले खुले कोर्ट में सुनवाई, फिर जेल ट्रायल और अब 'फेसलेस प्रोसीडिंग्स' (कार्यवाही) इन लगातार बदलती न्यायिक प्रक्रियाओं से यह स्पष्ट होता है कि ये फैसले कानून पर नहीं बल्कि शक्ति के प्रयोग पर आधारित हैं।

इस बीच, बीवाईसी की प्रमुख आयोजक महरंग बलूच सहित कई नेता मार्च 2025 से केंद्रीय हुडा जेल में बंद हैं। उनकी हिरासत को

# जेडी वेंस को भरोसा, 'इजरायल आगे चलकर यूएस-ईरान डील में होगा शामिल'

**वाशिंगटन।** अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को यकीन है कि इजरायल अंत में पीस डील का हिस्सा बनेगा। जबकि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रेस वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि वो एमओयू का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं है।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा, 'जो हम जानते हैं वह यह है कि यह समझौता इजरायल को ज्यादा सुरक्षित बनाएगा और पूरे क्षेत्र को भी अधिक सुरक्षित करेगा।'

वेंस ने आगे कहा कि इस समझौते को लेकर बहुत सारी गलत जानकारी ईरानी और इजरायली मीडिया में फैलाई जा रही है।

उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह मानते हैं कि जब इजरायल की जनता को इस समझौते की पूरी जानकारी समझ में आएगी, तो वे इसे मध्य पूर्व में एक नए दौर की शुरुआत के रूप में देखेंगे, जहां शांति और समृद्धि का रास्ता खुलेगा। यही हम चाहते हैं और हमें भरोसा है कि समय के साथ इजरायल भी इससे सहमत होगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में नेतन्याहू की सार्वजनिक आलोचना की और उन्हें सख्त इंसान करार दिया। इसे लेकर पूछे गए सवाल पर वेंस ने कहा, 'इजरायल अक्सर एक अच्छा साझेदार है, हमारे हित कई बार मिलते हैं, लेकिन कभी-कभी मुद्दों पर मतभेद भी होते हैं। यह पूरी तरह सामान्य है। हमारे सबसे करीबी सहयोगियों, चाहे वह यूनाइटेड किंगडम हो या इजरायल, सभी के साथ कभी-कभी असहमति हो जाती है।'

# दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली रोम दौरा समाप्त कर हुए फ्रांस रवाना

**रोम।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग मंगलवार को इटली की अपनी यात्रा समाप्त कर फ्रांस के एवियां-लेस-बैंस के लिए रवाना हो गए, जहां वे जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

राष्ट्रपति को लेकर विमान रोम के लियानार्डो द विंची इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जिनेवा के लिए रवाना हुआ, जिसके बाद वे सड़क मार्ग से फ्रांस के इस रिसॉर्ट शहर एवियां जाएंगे, जो उनकी वर्तमान यूरोप यात्रा का अंतिम पड़ाव है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, ली पिछले मंगलवार से यूरोप दौरे पर हैं। यह पद संभालने के एक साल बाद उनकी पहली यूरोप यात्रा है, जिसका उद्देश्य दक्षिण कोरिया के यूरोप के साथ कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करना है। इटली में, जो उनके दौरे का दूसरा पड़ाव था

(पहले वे बेल्जियम गए थे), राष्ट्रपति ली ने राष्ट्रपति सर्जियो मेट्टेला और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई और सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने पोप लियो चौदहवें से भी मुलाकात की और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापित करने के प्रयासों के प्रति वेटिकन के समर्थन की पुष्टि की। एवियां में, राष्ट्रपति ली जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वे आमंत्रित साझेदार देश के नेता के रूप में शामिल होंगे। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब दक्षिण कोरिया को इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। सोमवार को, राष्ट्रपति ली ने पोप को वर्ष 2027 में दक्षिण कोरिया में होने वाले वर्ल्ड यूथ डे 2027 कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। यह आमंत्रण उन्होंने वेटिकन में अपनी मुलाकात के दौरान दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वी सुंग लैक के अनुसार, दोनों पक्षों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोग पर सहमति जताई। राष्ट्रपति ली ने पोप को औपचारिक रूप से दक्षिण कोरिया आने का निमंत्रण भी दिया।

# हम बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चीन में निवेश और विकास का डटकर समर्थन करते हैं : चीनी

**बीजिंग।** चीनी उप राष्ट्रपति हानचंग ने मंगलवार को पूर्वी चीन के छिंगताओ शहर में सातवें बहुराष्ट्रीय कंपनियों की समिट में भाग लेकर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि चीन बहुराष्ट्रीय कंपनियों का चीन में निवेश और स्वस्थ विकास का डटकर समर्थन करता है ताकि एक साथ सहयोग और साझी जीत वाला बेहतर भविष्य रचा जाए। उन्होंने कहा कि चीन गुणवत्ता विकास बढ़ा रहा है और उच्च स्तरीय खुलेपन का विस्तार कर रहा है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि की स्थिरता और प्रेरणा का स्रोत बन गया है। इसने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास के लिए विशाल मंच प्रदान किया है। हानचंग ने चार सुझाव पेश किए, जिनमें विशाल चीनी उपभोग बाजार शेयर करना, व्यावसायिक उन्नति के नए अवसरों का लाभ उठाना, सृजन व सहयोग की नई पारिस्थितिकी निर्मित करना और खुले सहयोग का नया अध्याय जोड़ना शामिल हैं।

# बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी बलों और ऊर्जा ठिकानों पर हमले की ली जिम्मेदारी

**क्वेटा।** दो बलूच सशस्त्र समूहों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और पुलिस दल पर कई हमले करने की जिम्मेदारी ली है। दावा किया कि इन्होंने सुरक्षा बलों, पुलिस चौकियों और ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाया। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के प्रवक्ता मेजर गुहराम बलूच ने बयान जारी कर नुश्की, पंजगुर और ग्वादर जिलों में हुए कई हमलों की जिम्मेदारी ली। इनमें फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के जवानों पर आईईडी हमला, पुलिस चौकियों पर कब्जा और हथियारों की जब्ती शामिल है।

बीएलएफ के अनुसार, 12 जून को नुश्की के माल क्षेत्र में एक आईईडी हमले में एफसी के दो जवान मारे गए और कई अन्य घायल हुए, जब उनके वाहन को निशाना बनाया गया। संगठन ने यह भी दावा किया कि 10 जून को पंजगुर जिले में हुए एक हमले में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हुआ।

# पूर्वी अफगानिस्तान में गाड़ी पलटने से बच्चे समेत चार लोगों की मौत

## चार घायलों में कुछ की हालत गंभीर

**काबुल।** पूर्वी अफगानिस्तान के वर्दक प्रांत में सोमवार को एक मिनी बस के पलट जाने से एक बच्चे समेत चार यात्रियों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ इसरार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि यह जानलेवा हादसा कल दोपहर सैदाबाद जिले में हुआ। इस घटना में एक मां, उसके बच्चे और दो अन्य महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायल यात्रियों में कुछ की हालत गंभीर है।

इसी तरह के एक हादसे में दिन में पहले कुनार प्रांत में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि 30 मई को, पाकिस्तान से लौटे अफगान प्रवासियों को ले जा रहे एक ट्रक के शनिवार सुबह पलट जाने से कम से कम 18 लोगों की मौत

हो गई। इसमें 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत लघमन में एक हाईवे पर पलट गया। अमू टीवी ने बताया कि लघमन में तालिबान के ट्रैफिक डायरेक्टर हबीबुल्लाह मुबारेज के अनुसार, यह घटना लघमन प्रांत के करघाई जिले में सुरखकानू चौराहे के पास, मुख्य काबुल-जलालाबाद हाईवे पर हुई। पड़ोसी नंगरहार में तालिबान आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि सभी पीड़ित अफगान प्रवासी थे जो हाल ही में पाकिस्तान से लौटे थे। उनके अनुसार, यात्री कुछ समय के लिए कुनार प्रांत में रुके हुए थे और उन्हें काबुल ले जाया जा रहा था, तभी गाड़ी पलट गई।

लघमन में तालिबान गवर्नर के दफ्तर से जारी एक बयान में कहा गया, 'इस हादसे में 18 लोग मारे गए और 35 दूसरे घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नंगरहार के मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है।'

उत्तरी अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत की पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 3 मई को एक पैसेंजर गाड़ी और ट्रक के बीच तेज रफ्तार टक्कर में कम से कम तीन यात्रियों की मौत की पुष्टि हुई है। यह दुर्घटना अंखोय जिले के बाहरी इलाके में हुआ। हादसे के समय तीनों पीड़ित हाई-स्पीड गाड़ी में यात्रा कर रहे थे।

# वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेजों में आधार के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। इस याचिका में केंद्र सरकार, सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के सबूत के तौर पर हो न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों, ईसीआई और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) को नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। याचिका में कहा गया है कि आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है जबकि यूआईडीएआई की सूचनाएं स्पष्ट करती हैं कि आधार केवल पहचान का सबूत है न कि नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत।

याचिका के अनुसार, इन कानूनी सीमाओं और अदालती फैसलों के बावजूद कि आधार उम्र का सबूत नहीं है, इस दस्तावेज को स्कूल में दाखिले, प्रॉपर्टी के लेनदेन, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने जैसे कई कामों के लिए उम्र, निवास, नागरिकता और निवास स्थान के सबूत के तौर पर बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जाता रहा है। पीआईएल में खास तौर पर नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) के लिए आवेदन फॉर्म में जन्मतिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। इसमें तर्क दिया गया है कि ऐसा इस्तेमाल आधार अधिनियम, यूआईडीएआई की सूचनाओं और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है।

याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने केंद्र सरकार, राज्यों और ईसीआई से निर्देश जारी करने की मांग की है कि वे यह पक्का करने के लिए उचित कदम उठाएं कि आधार का इस्तेमाल सख्ती से पहचान के सबूत के तौर पर ही हो, न कि उन कामों के लिए जो आधार अधिनियम और यूआईडीएआई दिशानिर्देशों के तहत मना हैं। आधार एनरोलमेंट फ्रेमवर्क का हवाला देते हुए, याचिका में तर्क दिया गया है कि सभी निवासी, जिनमें भारत में कम से कम 182 दिनों से रह रहे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, आधार पाने के हकदार हैं।

# अकाल तख्त के आदेश पर पंजाब के सीएम मान बोले- मैं वीडियो में नहीं

## मुझे बदनाम करने की हो रही साजिश

**चंडीगढ़।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अकाल तख्त द्वारा सोमवार को धार्मिक कदाचार (रिलिजियस मिसकंडक्ट) का दोषी घोषित करार दिए जाने पर सफाई दी। उन्होंने कहा, 'पिछले दिनों अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ने एक वीडियो को लेकर कुछ हुकुमनामा जारी किया है। कहा जा रहा है कि यह एआई से बना वीडियो नहीं है लेकिन मुझे अकाल तख्त ने बुलाया था और मैंने साफ कर दिया है कि यह मेरा वीडियो नहीं है।'

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, 'वीडियो में दिख रहे व्यक्ति का शरीर और अन्य चीजें उनसे मेल नहीं खातीं। धार्मिक संस्थाओं के ऊंचे पदों पर बैठे लोग अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर सिर्फ मुझे बदनाम करने के लिए प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। मैं गुरु साहिब की शिक्षाओं को ध्यान में रखकर फैसले ले रहा हूं। मैं पंजाब में खेती व किसानों को बचाने के लिए फैसले ले रहा हूं। ऐसा लगता है कि उन्हें मेरे फैसले पच नहीं रहे हैं और इसलिए वे मुझे बदनाम करने के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'अकाल तख्त सिखों की सर्वोच्च संस्था है और मैं भी इसे सर्वोच्च मानता हूं। अकाल तख्त पर राजनीतिक नेताओं द्वारा की गई नियुक्तियों के कारण बदले की भावना से फैसले लिए जा रहे हैं और सिख संगत यह सब जानती है। मैं पंजाब के लिए दिन-रात काम करता हूं। जब उन्हें पता चला कि हमने बेअदबी-रोधी कानून बनाया है, जो वे खुद नहीं बना पाए थे और जिसकी लोग तारीफ़ कर रहे हैं तो उन्होंने उस कानून पर सवाल उठाए और कहा कि वे इसे मंजूर नहीं करते, जबकि पहले एसजीपीसी ही इसे बनाने की मांग कर रही थी। 2

## संक्षिप्त खबर

### क्योंझर में पुलिस मुठभेड़ में डकैती के आरोपी के पैर में लगी गोली

**भुवनेश्वर।** ओडिशा के क्योंझर जिले के सदर पुलिस स्टेशन इलाके में मंगलवार सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी और हाल ही में हुई हथियारबंद डकैती के मुख्य आरोपी को गोली लग गई। ऑ आरोपी की पहचान प्रवत मल्लिक के तौर पर हुई और वह क्योंझर सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज केस का मुख्य आरोपी है। यह केस 18 मई को सदर पुलिस इलाके के मुकुना गांव में पंचायत स्तर के दो सरकारी अधिकारियों से 8 लाख की लूट से जुड़ा है। हथियारबंद लूट के मामले की जांच के दौरान पुलिस को प्रवत मल्लिक के शामिल होने का पता चला। इसके अलावा, आरोपी पर लूट, चोरी और दूसरे गंभीर अपराधों से जुड़े 40 से ज्यादा आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। क्योंझर पुलिस के आधिकारिक बयान के मुताबिक एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सदर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने मंगलवार तड़के छापेमारी के दौरान इस अपराधी को पकड़ लिया। क्योंझर पुलिस ने बताया कि 'पूछताछ के दौरान आरोपी ने 8.18 लाख की हथियारबंद लूट में अपनी भूमिका कबूल की और लूट की रकम छिपाने की बात बताई। क्योंझर जिले के बेलडा में महुलडीहा पानी की टंकी के पास चोरी का सामान बरामद करने के दौरान आरोपी ने अचानक छिपाकर रखा हुआ हथियार निकाला और पुलिसकर्मियों पर एक राउंड गोली चलाई।' इसके बाद क्योंझर पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई, जिससे आरोपी के दाहिने पैर में चोट लग गई। पुलिस ने आरोपी को इलाज के लिए क्योंझर जिला अस्पताल पहुंचाया।

### 'चुनौतियों के बावजूद पीएम मोदी ने जनता को दी राहत' पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पर प्रह्लाद जोशी का बयान

**विजयवाडा (आंध्र प्रदेश)।** केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कई तरह की उथल-पुथल देखने को मिली, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पेट्रोल और डीजल की कोई बड़ी कमी नहीं होने दी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'मैं देशवासियों से कहना चाहता हूं कि भारत में पेट्रोल और डीजल के पर्याप्त प्राकृतिक भंडार नहीं हैं। इनकी आपूर्ति के लिए हमें अन्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे यहां मुख्य रूप से कोयले के भंडार हैं। वैश्विक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रहीं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसके लिए हमें उनका धन्यवाद करना चाहिए।' उन्होंने आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती के विकास का भी समर्थन किया। उनके अनुसार, इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और राज्य के गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी और अमरावती को राजधानी के रूप में विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस विषय को अनावश्यक रूप से विवाद का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए और अमरावती को राजधानी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

# नीट पेपर लीक मामला : कोर्ट ने यश यादव को दी परीक्षा और बहन की शादी में शामिल होने की इजाजत

**नई दिल्ली।** नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार यश यादव को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में नीट यूजी परीक्षा देने और बहन की शादी में शामिल होने की इजाजत दी है। नीट यूजी परीक्षा 21 जून को होनी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 21 जून को नीट परीक्षा के दिन और बहन की शादी में शामिल होने के लिए यश यादव को पुलिस कस्टडी में भेजा जाएगा।

बता दें कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले में आरोपी यश यादव ने दोबारा होने वाली नीट-यूजी परीक्षा में शामिल होने के लिए कोर्ट से कुछ दिनों के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। नीट की परीक्षा के अलावा उसने अपनी अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए भी यह जमानत याचिका लगाई थी।

इससे पहले 15 जून को दिल्ली की एक अदालत ने नीट यूजी पेपर लीक मामले में 10 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 29 जून तक बढ़ा दी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

आरोपियों की न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, धनंजय लोखंडे, तेजस हर्षद शाह, शुभम खैरनार, मनीषा वाघमारे, मनीषा संजय हवलदार और डॉ. मनोज शिरुरे की न्यायिक हिरासत 29 जून तक बढ़ा दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई को जेल के अंदर तीन आरोपियों शुभम खैरनार, मनीषा वाघमारे और धनंजय लोखंडे से 17, 18 और 19 जून को पूछताछ करने की भी अनुमति दे दी। जांच एजेंसी को कथित परीक्षा पेपर लीक मामले में चल रही जांच के तहत हर आरोपी से एक घंटे तक पूछताछ करने की अनुमति दी गई है। सीबीआई ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और परीक्षा से पहले नीट-यूजी प्रश्न पत्र हासिल करने और उन्हें फैलाने में शामिल एक कथित नेटवर्क की जांच कर रही है।

# बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आवास खाली करने को एक महीने का समय और मांगा

**पटना।** बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार विधान परिषद में नेता विपक्ष राबड़ी देवी ने प्रशासन द्वारा दी गई 15 दिन की समय सीमा खत्म होने के बाद पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए एक महीने का समय और मांगा है।

अल्टीमेटम की समय सीमा खत्म होने के बाद पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने अधिकारियों को एक आधिकारिक पत्र सौंपकर और समय मांगा। अपनी अर्जी में पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने और समय मांगने की मुख्य वजह अपने पति लालू प्रसाद यादव की सेहत का हवाला दिया है। राबड़ी देवी के पत्र के अनुसार, डॉक्टरों ने सलाह दी है कि लालू प्रसाद यादव को परिवार के दूसरे सदस्यों से अलग रखा जाए क्योंकि उन्हें संक्रमण का खतरा बहुत ज्यादा है। राबड़ी देवी ने बताया कि मेडिकल सलाह पर 10 सर्कुलर रोड वाले घर में उनके लिए खास तौर पर एक अलग कमरे का इंतजाम किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवार तभी दूसरी जगह जाएगा जब नए अलॉट किए गए घर यानी 39 हार्डिंग रोड बंगले में भी वैसे ही इंतजाम हो जाएंगे। लालू प्रसाद यादव पिछले कुछ सालों से सेहत से जुड़ी कई दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। दिसंबर 2022 में सिंगापुर में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, जिसमें उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट की थी।

उन्होंने 2014 में मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में ओपन हार्ट सर्जरी भी करवाई थी और खबरों के मुताबिक 2024 में उसी अस्पताल में उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। हाल ही में, वे मेडिकल चेक-अप के लिए फिर से सिंगापुर गए थे। बिहार सरकार ने राबड़ी देवी को बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता होने के नाते 39 हार्डिंग रोड पर एक बंगला अलॉट किया है। इस बीच, खबरों के मुताबिक 10 सर्कुलर रोड वाला घर नंद किशोर राम को अलॉट किया गया है। शुरू में राबड़ी देवी के बंगला खाली करने से इनकार करने के बाद, पटना प्रशासन ने 31 मई को उन्हें आखिरी 15 दिन का नोटिस जारी करके प्रॉपर्टी का कब्जा सौंपने का निर्देश दिया था।

# आईएमडी भर्ती अलर्ट : 62 वर्ष वालों के पास मौका, कई पदों के लिए 17 जून से आवेदन शुरू

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मिशन मौसम योजना का हिस्सा बन चुकी 'पृथ्वी विज्ञान' योजना की उप-योजना 'एटमॉस्फेरिक एंड क्लाइमेट रिसर्च मॉडलिंग, ऑब्जर्विंग सिस्टम्स एंड सर्विसेज' के तहत, एडमिनिस्ट्रेटिव कंसल्टेंट और साइंटिफिक कंसल्टेंट के तौर पर कॉन्ट्रैक्ट-आधारित काम के लिए केंद्र सरकार के संगठनों के रिटायर्ड अधिकारियों से एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आवेदन आमंत्रित किए हैं।

आईएमडी की ओर से जारी रिक्तियों में एडमिनिस्ट्रेटिव कंसल्टेंट के 2 और साइंटिफिक कंसल्टेंट के 10 पद शामिल हैं। इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 17 जून के सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि आईएमडी की वेबसाइट पर सर्कुलर जारी होने की तारीख से 20 दिन होगी। ऐसे में जो पात्र और इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आईएमडी के ऑफिशियल पोर्टल पर आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। एडमिनिस्ट्रेटिव कंसल्टेंट के लिए लेवल-11 या उसके बराबर के रिटायर हो चुके केंद्र सरकार के अधिकारी आवेदन कर सकते हैं। साइंटिफिक कंसल्टेंट के लिए लेवल-8 या उससे ऊपर के साइंटिफिक/टेक्निकल कैडर के रिटायर हो चुके केंद्र सरकार के अधिकारी अप्लाई कर सकते हैं, जिनके पास रिटायरमेंट से पहले कम से कम 2 वर्ष का संबंधित काम का अनुभव, कंप्यूटर एप्लीकेशन की अच्छी जानकारी और कम्युनिकेशन और इंटरपर्सनल स्किल्स होना चाहिए।

आवेदकों की अधिकतम आयु 62 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना आवेदन के अंतिम तिथि के आधार पर की जाएगी। वहीं, कैंडिडेट्स का अपने आधिकारिक कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से पालन करने के लिए अच्छी सेहत में होना अनिवार्य है।

# मध्य प्रदेश में ट्रांसफर की अवधि में एक दिन की बढ़ोतरी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में कर्मचारियों- अधिकारियों के ट्रांसफर के लिए तय की गई अवधि में मोहन कैबिनेट ने एक दिन की वृद्धि कर दी है। अब ट्रांसफर की प्रक्रिया मंगलवार 16 जून की रात 12 बजे तक पूरी हो सकेगी।

दरअसल राज्य में तबादला नीति के तहत 1 जून से 15 जून तक तबादलों की समय सीमा तय की गई थी मगर कई विभाग जिनमे कर्मचारी अधिक हैं उनके तबादला आवेदन आदि कंप्यूटर पर अपलोड नहीं हो पाए हैं ऐसी बात सामने आई है।

राज्य सरकार के मंत्री चेतन कश्यप ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में होने वाले तबादलों की अवधि में एक दिन की बढ़ोतरी की गई है और अब मंगलवार 16 जून की रात 12 से पहले तक आवेदन को जमा किया जा सकेगा।

तबादला अवधि की समय सीमा में की गई बढ़ोतरी की चर्चा करते हुए मंत्री काश्यप ने बताया कि कुछ विभाग ऐसे हैं जिनमें अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या बहुत अधिक है और उनके आवेदन अपलोड नहीं हो पाए हैं लिहाजा तबादला अवधि की सीमा में बढ़ोतरी की गई है।

इंदौर की मेट्रो रेल परियोजना की चर्चा करते हुए मंत्री कश्यप ने बताया कि इंदौर की मेट्रो परियोजना में स्थानीय जरूरत और जन प्रतिनिधियों के सुझाव के आधार पर कई बदलाव किए हैं, जिससे लागत में बढ़ोतरी हुई है।

कैबिनेट ने लगभग 5400 करोड़ की अतिरिक्त राशि मंजूर कर दी है। अब इंदौर की मेट्रो 31 किलोमीटर की हो गई है और 2030- 31 तक पूरी तरह परिचालन में आ जाएगी।

# पुणे में दो करोड़ रुपए के गबन मामले में आरोपी नासिक में गिरफ्तार

**नासिक।** महाराष्ट्र के पुणे में दो करोड़ रुपए के गबन के मामले में फरार एक आरोपी को नासिक में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुणे पुलिस में 38 वर्षीय किरण दादासाहेब शिंदे की दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 'गंगा फर्नहिल' प्रोजेक्ट की चार इमारतों में फ्लैट बेचने और उससे जुड़े कामों की जिम्मेदारी सीनियर सेल्स मैनेजर साइमन रॉनी पीटर को सौंपी गई थी, लेकिन आरोप है कि उन्होंने फ्लैट की बिक्री से मिली रकम को कंपनी के खाते में जमा करने के बजाय, अपने सहयोगी बी. चंद्रशेखर के एक फर्जी प्राइवेट बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया। इस तरह उन्होंने 32 ग्राहकों से इकट्ठा किए गए लगभग 2 करोड़ रुपए का गबन किया। इस शिकायत के आधार पर 9 जून को पुणे के कालेपडल पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पीटर फरार हो गया और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। जांच के दौरान पुणे पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी नासिक शहर में छिपा हुआ है। कालेपडल पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने गंगापुर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक शर्माले से संपर्क किया और पीटर का पता लगाने और उसे पकड़ने में मदद मांगी।

# पश्चिम बंगाल : पुलिस ने नकली लॉटरी रैकेट का किया भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की पुलिस ने नकली लॉटरी रैकेट का भंडाफोड़ किया और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शक्ति यादव और गणेश साव के तौर पर हुई है, जो पुरुलिया जिले के नेतुरिया पुलिस स्टेशन इलाके के अमडांगा और रानीपुर गांवों के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक, शक्ति लॉटरी बेचने का काम करता था, जबकि गणेश नकली लॉटरी नेटवर्क का मुख्य सप्लायर था। गिरफ्तारी से पहले दोनों करीब एक साल से फरार चल रहे थे। एक आरोपी के घर की तलाशी लेने पर 10.42 लाख रुपए नकद बरामद हुए। दोनों को रघुनाथपुर सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि 23 अप्रैल को नकली लॉटरी का कारोबार चलाने के आरोप में दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान बड़ी संख्या में लॉटरी टिकट और 22,000 रुपए नकद बरामद हुए थे। उस मामले का मुख्य आरोपी तब से फरार था। हाल ही में, जानकारी मिलने पर जांचकर्ताओं ने गणेश को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान हुई, जिसके बाद शक्ति को पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में लंबे समय से अवैध लॉटरी का काम चल रहा है। इससे पहले, जिला पुलिस और क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने कई बार छापेमारी की और कई लोगों को गिरफ्तार किया।

जांच में पड़ोसी राज्य झारखंड के लोगों से भी संबंध होने की बात सामने आई है और पुलिस ने मौजूदा मामले में भी इसी तरह के अंतर-राज्यीय कनेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी असली पेपर लॉटरी जैसे दिखने वाले नकली लॉटरी टिकट छापते थे, जिससे उनमें फर्क करना मुश्किल होता था।

# भारत में 5जी सब्सक्राइबर्स की संख्या 2031 तक 1.1 अरब पहुंचने का अनुमानः रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** भारत में 5जी सब्सक्राइबर्स की संख्या 2031 तक 1.1 अरब पहुंचने का अनुमान है और इस दौरान कुल सब्सक्रिप्शन में 5जी की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 81 प्रतिशत हो जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एरिक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 5जी को अपनाने की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। इसकी वजह किफायती 5जी सक्षम स्मार्टफोन और डिवाइस की उपलब्धता, सभी जिलों में नेटवर्क कवरेज और उपलब्धता में विस्तार,और 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं का बढ़ता रोलआउट है।

दुनिया भर में संचार सेवा प्रदाताओं की ओर से 5जी एसए नेटवर्क स्लाइसिंग पर आधारित कमर्शियल और अलग तरह की कनेक्टिविटी सेवाओं की पेशकश भी लगातार बढ़ रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के आखिर तक भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन की संख्या 430 मिलियन तक पहुंच गई है।

जो कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 35 प्रतिशत है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि जैसे-जैसे यूजर्स 5जी पर शिफ्ट हो रहे हैं, 4जी सब्सक्रिप्शन की संख्या 2025 में लगभग 570 मिलियन से घटकर 2031 तक लगभग 160 मिलियन रह जाने की उम्मीद है।

फिलहाल, भारत में मोबाइल सब्सक्रिप्शन के मामले में 4जी ही सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी बनी हुई है, जिसकी हिस्सेदारी 46 प्रतिशत है।

इसके अलावा, प्रति स्मार्टफोन मोबाइल डेटा खपत के मामले में भी देश दुनिया में सबसे आगे है। यहां औसत मासिक खपत पहले से ही 37 जीबी है और 2031 तक इसके लगभग दोगुना होकर 70 जीबी तक पहुंचने की उम्मीद है।

एरिक्सन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन बंसल ने कहा, 'बेहतर मोबाइल ब्रॉडबैंड और 5जी एफडब्ल्यूए पर आधारित भारत में तेजी से बढ़ते 5जी इस्तेमाल से ग्राहकों का अनुभव बदल रहा है। देश में मजबूत और सुरक्षित 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर बड़े पैमाने पर समावेश, गवर्नेंस और इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है और 'डिजिटल इंडिया' के लिए एक मजबूत आधार का काम कर रहा है।'

भारत में एक सर्विस प्रोवाइडर ने हाल ही में अपने पोस्टपेड 5जी ग्राहकों के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग पर आधारित अलग तरह की कनेक्टिविटी सर्विस शुरू की है, जो बाजार में एडवांस्ड 5जी इस्तेमाल के तरीकों के विकास का संकेत है।

2026 की पहली तिमाही में दुनिया भर में 5जी मोबाइल सब्सक्रिप्शन की संख्या 3 अरब के आंकड़े को पार कर गई, जबकि कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स की ओर से 5जी स्टैंडअलोन (एसए) नेटवर्क स्लाइसिंग की कमर्शियल पेशकशों में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

## स्लोवाक स्कूली बच्चों की प्रस्तुति के बाद पीएम मोदी बोले- 'युवाओं को योग अपनाते देखना बहुत अच्छा लगा'

**ब्रातिस्लावा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह और स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी स्लोवाक के स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत विशेष योग प्रदर्शन को देखकर बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले आयोजित इस प्रस्तुति ने दुनिया भर में योग के बढ़ते आकर्षण और उसकी व्यापक स्वीकार्यता को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और मैं स्लोवाकिया के स्कूली बच्चों का खास योग प्रदर्शन देखकर बहुत खुश हुए। जैसे-जैसे दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के करीब आ रही है, युवाओं को योग अपनाते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। यह देखकर भी खुशी हो रही है कि योग लोगों को सेहत की साझा कोशिश में साथ ला रहा है।'

इस बीच, सोमवार को स्लोवाकिया के प्रेसिडेंशियल पैलेस में एक योग कैंप भी लगाया गया। स्लोवाकिया के युवाओं ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति पेलेग्रिनी की मौजूदगी में योग किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ मिलकर स्लोवाकिया के स्कूल के बच्चों का एक खास योग प्रस्तुति देखा। दोनों नेताओं ने भारत और स्लोवाकिया के बीच बढ़ते सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक तालमेल और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के तरीके के तौर पर योग की अपील पर भी ध्यान दिया।'

एक अलग पोस्ट में, पीएम मोदी ने जाने-माने स्लोवाक स्कॉलर डॉ. रॉबर्ट गैफ्रिक के साथ अपनी बातचीत की जानकारी भी साझा कीं। डॉ. रॉबर्ट ने उपनिषदों का स्लोवाकिया की भाषा में अनुवाद करने में अहम भूमिका निभाई है।

पीएम मोदी ने कहा, 'कल शाम ब्रातिस्लावा में, मैं डॉ. रॉबर्ट गैफ्रिक से मिला, जिन्होंने उपनिषदों का स्लोवाक में ट्रांसलेट करने के प्रयासों का नेतृत्व किया है। भारतीय इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता के लिए उनका जुनून तारीफ के काबिल है।'

योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक फायदों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह आइडिया सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान दिया था।

संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त समर्थन के बाद 11 दिसंबर, 2014 को आधिकारिक तौर पर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। यह उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इसे मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य, संतुलन और गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है।

# गर्मी में तन-मन को ठंडक देता है खस का शरबत, पूरे दिन बनी रहेगी एनर्जी और ताजगी

**नई दिल्ली।** गर्मी अब अपने पूरे जोर पर है। लू चल रही है और दिनभर के बाद शरीर व मन दोनों थकान से भरे रहते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स की जगह पारंपरिक और सेहतमंद खस का शरबत कई लोगों की पहली पसंद बन रहा है। यह सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं, बल्कि तन और मन दोनों को आराम देने वाला प्राकृतिक उपाय है।

खस शरबत गर्मियों के मौसम में ठंडक का पारंपरिक स्वाद माना जाता है। इसकी मनमोहक खुशबू, हल्की मिठास और ठंडक का एहसास पीते ही तरोताजगी भर देता है। पूरे देश के साथ ही खासतौर पर उत्तर भारत में खस शरबत सदियों से घर-घर में लोकप्रिय रहा है। जब बाहर सूरज तप रहा हो, तब एक गिलास खस शरबत दिनभर की थकान, जलन और गर्मी को तुरंत कम कर देता है।

खस की जड़ें प्राकृतिक रूप से ठंडक प्रदान करने वाली मानी जाती हैं।

इन्हें पानी में भिगोकर रखने से पानी में ठंडक आ जाती है। यह शरीर के अंदर से गर्मी निकालने में मदद करता है, पसीने से होने वाली कमजोरी को दूर करता है और मन को शांत रखता है। आयुर्वेद में भी खस को गर्मी से बचाव और पाचन सुधारने वाला बताया गया है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए सुरक्षित है।

खस का शरबत बनाने का तरीका भी आसान है। इसके लिए खस की जड़ों को अच्छी तरह साफ करके दो-तीन घंटे पानी में भिगोकर रखें। फिर इस पानी को छानकर उसमें चीनी या गुड़, नींबू का रस और थोड़ी सी इलायची मिलाकर शरबत तैयार कर लें।

चाहें तो इसमें पुदीना या सौंफ भी डाल सकते हैं। गर्मी में इसे फ्रिज में रखकर पीने से दोहरी ठंडक मिलती है। बाजार में मिलने वाले रेडीमेड शरबत की जगह घर पर बना शरबत ज्यादा स्वादिष्ट और फायदेमंद होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों में खस शरबत रोज पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है, निर्जलीकरण से बचाव होता है और थकान जल्दी दूर होती है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि स्वाद की दृष्टि से भी बेहद लाजवाब है।

## विधानसभा परिसर में सीएम सैनी ने किया योगाभ्यास, बोले- योग भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विश्वव्यापी सम्मान

**चंडीगढ़।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारी के बीच हरियाणा विधानसभा में योग का विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में योगाभ्यास किया और योग के महत्व पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरे देश के लिए गर्व का विषय है कि भारत की प्राचीन योग परंपरा को पूरी दुनिया ने अपनाया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था। प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव का दुनिया भर के देशों ने खुले दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जब यह प्रस्ताव यूएनओ में रखा गया तो पहली ही बार में 170 देशों ने इसका समर्थन किया, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी।

सीएम सैनी ने कहा कि इस बार हम सभी 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं और यह गर्व की बात है कि पूरी दुनिया योग से जुड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रस्ताव नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति और उसकी प्राचीन विरासत का वैश्विक सम्मान था।

उन्होंने योग को भारत की सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि इसका उल्लेख श्रीमद्भगवद्गीता में भी मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताए गए कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग जैसे सिद्धांत आज भी मानव जीवन को सही दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाने की एक संपूर्ण पद्धति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से दुनिया ने भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा दिए गए अमूल्य ज्ञान और विरासत को सम्मान दिया है। आज विश्व के लगभग सभी देश योग दिवस मना रहे हैं, जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों की ओर से 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।

## बढ़ती उम्र में गिरने का खतरा सबसे ज्यादा, जानें इस जोखिम को कैसे कम करता है योगासन

**नई दिल्ली।** उम्र बढ़ने के साथ-साथ गिरने का खतरा सबसे ज्यादा हो जाता है। छोटी-सी असावधानी या कमजोर संतुलन बुजुर्गों को गंभीर चोट पहुंचा सकता है। ऐसी स्थिति में योगासन एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय साबित हो रहा है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, नियमित योगाभ्यास बुजुर्गों में गिरने के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी चेतावनी देता है कि गिरना बुजुर्गों में चोट और विकलांगता का प्रमुख कारण है। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में संतुलन बिगड़ना, मांसपेशियों में कमजोरी और जोड़ों की अकड़न आम समस्या बन जाती है। इन सबके कारण रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत होती है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

रिसर्च बताती है कि योग इन समस्याओं का बेहतरीन समाधान है। नियमित योग से शरीर का संतुलन, तालमेल और शारीरिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार आता है। एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों पर किए गए अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। नतीजे चौंकाने वाले रहे। योग करने वाले बुजुर्गों में बैलेंस और मोबिलिटी दोनों ही बेहतर पाए गए, जिससे गिरने का खतरा साफ तौर पर कम हुआ।

आसान योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन और सेतु बंधासन पैरों, कमर और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। ये आसन संतुलन की क्षमता बढ़ाते हैं और शरीर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही, योग से मन शांत रहता है, डर और घबराहट कम होती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। आयुष मंत्रालय के मुताबिक, योग सिर्फ शारीरिक फिटनेस ही नहीं बढ़ाता, बल्कि बुजुर्गों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने में भी सहायक है। विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सिर्फ 20-30 मिनट योग करने से भी फायदा मिल सकता है।

## सनबर्न का कारण क्या है? जानें अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा को कैसे बचाएं

**नई दिल्ली।** सूर्य पृथ्वी पर जीवन का मुख्य स्रोत है, जो प्रकाश और ऊर्जा प्रदान करता है। लेकिन, इसकी कुछ किरणें त्वचा के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। गर्मियों में तेज धूप में ज्यादा देर रहने से त्वचा लाल हो जाना, जलन, सूजन और दर्द जैसी समस्या हो जाती है, जिसे सनबर्न कहते हैं। सवाल यह है कि आखिर सूर्य की किरणें त्वचा को क्यों जलाती हैं?

सूर्य से निकलने वाली रोशनी विभिन्न प्रकार की किरणों से मिलकर बनी होती है। इनमें इन्फ्रारेड किरणें गर्मी देती हैं, विजिबल लाइट हमें दिखाई देती है, लेकिन सबसे खतरनाक होती हैं अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) किरणें। ये किरणें हमारी आंखों से दिखाई नहीं देतीं, लेकिन इनमें बहुत अधिक ऊर्जा होती है। जब ये किरणें त्वचा पर पड़ती हैं तो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं। कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शरीर इस क्षति पर प्रतिक्रिया स्वरूप सूजन और दर्द पैदा करता है, जो सनबर्न के रूप में सामने आता है।

खास बात यह है कि यूवी किरणें सिर्फ सीधी धूप में ही नहीं, बल्कि पानी, बर्फ, रेत या कंक्रीट से टकराकर वापस लौट सकती हैं। बादलों के पार भी ये किरणें आसानी से पहुंच जाती हैं। इसलिए छाते के नीचे बैठे रहने या बादल वाले दिन भी सनबर्न का खतरा बना रहता है। लंबे समय तक यूवी किरणों के संपर्क में रहने से त्वचा का कैंसर तक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सनबर्न से बचाव के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक धूप में कम निकलें। पूरे शरीर को ढकने वाले हल्के रंग के कपड़े पहनें। चौड़ी किनारे वाली टोपी और सनग्लासेस का इस्तेमाल करें। एसपीएफ 30 या इससे ज्यादा वाला सनस्क्रीन पूरे शरीर पर लगाएं और हर 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। भरपूर पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखें।

## बांग्लादेश में खसरे का कहरः एक और बच्चे ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या बढ़कर 657

ढाका, 16 जून (आईएएनएस)। बांग्लादेश में खसरा या उससे मिलते-जुलते लक्षण वाली बीमारी हर बीतते दिन के साथ एक बच्चे को अपना शिकार बना रही है। पिछले 24 घंटों में (मंगलवार 8 बजे तक) एक और मौत के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 657 हो गई है।

देश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बताया कि हालिया मौत को 'संदिग्ध खसरा मृत्यु' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, और इस अवधि में किसी भी बच्चे ने खसरे की वजह से दम नहीं तोड़ा है।

बांग्लादेश की समाचार एजेंसी यूएनबी ने नए आंकड़ों के हवाले से बताया कि संदिग्ध खसरा मृतकों की संख्या 564 है, तो लैब से खसरे की पुष्टि होने के बाद हुई मौत की संख्या 93 है। पिछले कुछ दिनों से इस आंकड़े में बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है।

वहीं, पिछले 24 घंटों में 1,006 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे कुल संदिग्ध मामले बढ़कर 87,929 हो गए। वहीं, 136 के खसरा पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। इस तरह कुल संक्रमितों की संख्या 10,523 तक पहुंच गए।

डीजीएचएस के अनुसार, 15 मार्च से अब तक देशभर में 72,405 संदिग्ध कैटेगरी वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया, जिनमें से 68,782 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

# एफआईएच महिला नेशंस कप : भारत ने जापान को 2-1 से हराया, अंक तालिका में टॉप पर पहुंची टीम

**ऑकलैंड।** भारत ने मंगलवार को एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में पूल 'ए' के अपने दूसरे मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत ने अब तक अपने दोनों पूल मैच जीते हैं।

ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में कप्तान और 'प्लेयर ऑफ द मैच' सलीमा टेटे (33वें मिनट) और लालरेमसियामी (49वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे, जबकि एई हिरामित्सु (35वें मिनट) जापान की एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

मिडफील्डर ज्योति के लिए यह एक यादगार मैच था, जिन्होंने अपना 100वां सीनियर इंटरनेशनल मैच खेला। पहला हाफ बेहद कड़ा मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन हाफ-टाइम तक कोई भी टीम बराबरी नहीं तोड़ सकी।

तीसरे क्वार्टर में खेल में तब रोमांच आ गया जब भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर में अपना पहला गोल किया। नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने बेहतरीन तरीके से सलीमा की ओर पास किया और कप्तान ने उसे गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई।

हालांकि जापान ने 2 मिनट बाद ही मैच में पकड़ बना ली। हिरामित्सु (35वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागकर बराबरी कर ली।

अंतिम क्वार्टर में भारत की लालरेमसियामी ने 49वें मिनट में विजयी गोल दागा। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से गोल की ओर एक सटीक पास दिया और लालरेमसियामी को गेंद को नेट में डालकर भारत को जीत दिलाई।

इस जीत के साथ, अपराजित भारत, अमेरिका और जापान के खिलाफ जीत से मिले छह अंकों के साथ पूल 'ए' में शीर्ष पर पहुंच गया है।

भारत टूर्नामेंट के अपने आखिरी मैच में 18 जून को उरुग्वे का सामना करेगा, जबकि जापान और अमेरिका पूल 'ए' से दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

## विमेंस टी20 वर्ल्ड कप: नीदरलैंड के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी आत्मविश्वास से लबरेज 'विमेन इन ब्लू'

**हेडिंग्ले ।** विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच में जीत के बाद भारतीय टीम बुधवार को लीड्स में नीदरलैंड का सामना करेगी। पाकिस्तान के खिलाफ 64 रन से शानदार जीत के बाद 'ग्रुप-ए' में मौजूद भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है।

'विमेन इन ब्लू' ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ 170 रन का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद विपक्षी टीम को महज 106 रन पर समेट दिया। भारत की यह जीत किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन के बजाय पूरी टीम के योगदान का नतीजा थी।

स्मृति मंधाना ने आक्रामक 68 रन बनाए, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मिडिल ओवर्स में पारी को संभाला, और ऋचा घोष की तूफानी फिनिशिंग ने पाकिस्तान के सामने एक मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया। इसके बाद गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 5 विकेट हासिल किए, जबकि श्री चरणी ने 3 विकेट निकाले। दूसरी ओर, बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद नीदरलैंड को अपने खेल में सुधार करने की जरूरत होगी। रविवार को कप्तान बैबेट डी लीडे की सधी हुई फिफ्टी ने पारी को संभाले रखा, लेकिन टॉप ऑर्डर पावरप्ले का फायदा नहीं उठा सका, जिससे मिडिल ऑर्डर पर बहुत ज्यादा दबाव नजर आया।

गेंदबाजी मेहमान टीम की सबसे बड़ी ताकत है। अनुभवी तेज गेंदबाज आइरिस ज्विलिंग ने पहले मैच में कोई विकेट नहीं लिया, लेकिन उन्होंने किफायती गेंदबाजी की। वहीं, कैरोलीन डी लैंग ने 27 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बावजूद, भारत की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को रोकने के लिए डच गेंदबाजी आक्रमण को और अधिक सहयोग की जरूरत होगी।

हालांकि, भारत का सबसे बड़ा हथियार एक बार फिर उनका स्पिन अटैक हो सकता है। पहले मैच में दीप्ति शर्मा ने फ्लाइट और कंट्रोल के शानदार प्रदर्शन के साथ 10 रन देकर 5 विकेट हासिल किए थे। श्री चरणी ने भी तीन विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ठाकुर और राधा यादव ने गेंदबाजी आक्रमण को संतुलन प्रदान किया।

शुरुआती मैच जीतने के बाद भारतीय टीम ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर है। एक और शानदार जीत इस कड़े मुकाबले वाले ग्रुप में भारत के नेट रन रेट को और मजबूत करेगी। भारतीय टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव।

नीदरलैंड की टीम: बैबेट डी लीडे (कप्तान), कैरोलिन डी लैंग, फ्रेडरिक ओवरडिज्क, हन्ना लैंडहीर, हीथर सीजर्स, आइरिस ज्विलिंग, इसाबेल वान डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मायरथे वान डेन राड, फेबे मोल्केनबोअर, रॉबिन रिजके, रोजाली लॉरेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सीजर्स, स्टर्रे कालिस।

## झारखंड टी20 लीग: एमआई और आरसीबी के स्काउट्स युवा प्रतिभाओं की तलाश में रांची पहुंचे

**रांची।** पहली झारखंड टी20 क्रिकेट लीग उभरते क्रिकेटरों के लिए एक अहम मंच के तौर पर उभरी है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्काउट्स युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की तलाश में रांची पहुंचे हैं।

जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में एमआई की तरफ से खेलने वाले भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज नमन ओझा और आरसीबी की तरफ से खेलने वाले घरेलू क्रिकेट के अनुभवी गोकुल शर्मा झारखंड टी20 लीग देखने के लिए रांची पहुंचे हैं।

भारत के वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की मौजूदगी में लीग ने अपने लॉन्च के बाद से ही एक सफल डेब्यू सीजन का आनंद लिया है। इस टूर्नामेंट ने देश भर के क्रिकेट फैंस का काफी ध्यान खींचा है। यह लीग झारखंड की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं के लिए भी एक अहम मंच बन गया है। 2025 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राज्य की ऐतिहासिक जीत के बाद टीम के कप्तान ईशान किशन ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की थी। इसके बाद से इस लीग को राज्य के युवा क्रिकेटर गंभीरता से ले रहे हैं।

## फीफा विश्व कप 2026: स्पेन और केप वर्डे का मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा, 40 साल के गोलकीपर वोजिन्हा मैच के हीरो रहे

**अटलांटा।** फीफा विश्व कप 2026 में सोमवार को खेले गए ग्रुप एच के मुकाबले में स्पेन को केप वर्डे ने अपने करिश्माई प्रदर्शन से हैरान कर दिया है। विश्व कप के इतिहास में अपना पहला मैच खेल रही केप वर्डे के सामने मजबूत स्पेन को ड्रॉ खेलना पड़ा है। मैच में एक भी गोल नहीं हो सका और परिणाम 0-0 से ड्रॉ रहा।

केप वर्डे के लिए उसके गोलकीपर वोजिन्हा हीरो बनकर उभरे। मैच अवधि के लगभग 75 प्रतिशत समय में गेंद पर स्पेन का कब्जा था।

लेकिन, 40 साल के इस गोलकीपर ने स्पेन के मजबूत स्ट्राइकरों द्वारा किए गए दो दर्जन से अधिक प्रयासों (27 बार) को असफल कर दिया। वोजिन्हा ने एक भी गेंद को एक बार भी गोल पोस्ट के अंदर नहीं जाने दिया और मुकाबले में केप वर्डे को स्पेन के मुकाबले लाकर खड़ा कर दिया। मैच बराबरी पर खत्म होने की घोषणा के बाद वोजिन्हा रोते हुए पिच से चले गए। वोजिन्हा को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

केप वर्डे ने शुरू से ही पांच लोगों के लो ब्लॉक में मजबूत रक्षापंक्ति सजाई थी। अपने ही बॉक्स में टीम अधिकांश खिलाड़ियों को रखा था। स्पेन ने गेंद को एक तरफ से दूसरी तरफ घुमाया, लेकिन केप वर्डे के खिलाड़ियों ने हर बार स्पेन के गोल करने के इरादों पर पानी फेर दिया।

लुइस डे ला फ्यूएंटे के लामिन यामल और निको विलियम्स को बेंच पर रखकर शुरू करने के फैसले ने स्पेन की धार को कमजोर कर दिया। फेरान टोरेस और गैवी, जिन्हें बाहर इस्तेमाल किया गया, वे उस तेज और वन-ऑन-वन ??खतरा देने के लिए संघर्ष कर रहे थे जिसकी वजह से हाल के वर्षों में स्पेन एक खतरनाक टीम बनकर उभरी है।

स्पेन के कप्तान रोड्रिगो मैच के बाद कहा, 'ऐसा नहीं होना था। हमने मौके बनाए, लेकिन हम गोल नहीं कर सके। इतनी रक्षात्मक टीम के खिलाफ खेलना मुश्किल है। हमें अपनी फिनिशिंग सुधारने की जरूरत है।'

केप वर्डे के मिडफील्डर लारोस डुआर्टे ने मैच के बाद कहा, 'आज हमारा फोकस रक्षात्मक खेल पर था। हम दूसरे मैचों में गेंद के साथ अपनी क्षमता दिखा सकते हैं। हम जानते हैं कि हम क्या कर सकते हैं। अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने के बारे में अभी से वास्तविक और अच्छा लग रहा है।

## एफआईएच विमेंस नेशंस कप: ग्रुप ए में टॉप पर भारतीय टीम, टॉप-4 में जगह पक्की

**ऑकलैंड।** भारतीय टीम ने मंगलवार को ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप न्यूजीलैंड 2026 के अपने दूसरे पूल ए मैच में जापान को 2-1 से हराकर सेमी-फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत ने अब तक अपने दोनों पूल गेम जीते हैं।

कप्तान और 'प्लेयर ऑफ द मैच' सलीमा टेटे (33') और लालरेम्सियामी (49') ने भारत के लिए गोल किए। जापान के लिए एकमात्र गोल हिरामित्सु ऐ (35') ने किया। मिडफील्डर ज्योति का यह 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच था, जो जीत के साथ यादगार बन गया।

मैच में पहला हाफ बहुत कड़ा था, दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन हाफ-टाइम तक कोई भी बराबरी नहीं कर सका।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने 33वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल किया। नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने सलीमा की तरफ खेला। कप्तान ने बिना मौका गंवाए गेंद को गोल पोस्ट में भेजकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

जापान ने ठीक 2 मिनट बाद गोल किया। हीरामित्सु (35') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में भारत की लालरेमसियामी ने 49वें मिनट में गोल किया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से गोल की ओर एक तेज पास दिया। लालरेमसियामी ने गोल करते हुए भारत को जीत दिलाई। यह गोल भारतीय टीम के लिए विजयी साबित हुआ। इस गोल के साथ भारत की बढ़त 2-1 हो गई और मैच टीम इंडिया के कब्जे में आ गया।भारतीय टीम इस जीत के साथ पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गई। भारत के 6 अंक हो गए हैं। पिछले मैच में भारत ने अमेरिका को हराया था। जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है। भारत अब टूर्नामेंट के अपने आखिरी पूल ए मैच में 18 जून को उरुग्वे से भिड़ेगा। जापान और अमेरिका पूल ए से सेमीफाइनल की दूसरी जगह के लिए आमने-सामने होंगे।

## मैं बहुत निराश और टूटा हुआ महसूस कर रहा, अंपायरिंग में तकनीक का हो इस्तेमाल: सुमित नागल

**नई दिल्ली।** भारत के शीर्ष रैंक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पॉज्नान चैलेंजर में अपने शुरुआती राउंड के मैच के दौरान एक विवादित अंपायरिंग कॉल के बाद टेनिस में रेफरी के स्तर की स्टैंडर्ड की आलोचना की है।

मंगलवार को सोशल मीडिया पर नागल ने लिखा, 'मैं एक पॉइंट पर खेल रहा था, जहां मैं गेंद की ओर दौड़ा, जो साफ तौर पर आउट थी। मैच में एक लाइन्समैन और एक चेयर अंपायर रेफरी थे। उन दोनों में से किसी ने भी कॉल नहीं किया। इसलिए मैंने तुरंत अपना हाथ उठाया, लेकिन अंपायर का कहना है कि उन्होंने इसे नहीं देखा, जो हो सकता है, लेकिन फिर उन्होंने नीचे आकर मार्क को चेक करने से भी मना कर दिया।'

28 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि एटीपी नियमों के तहत, 'एक खिलाड़ी को गेंद के बाउंस होने के बाद एक बार स्ट्राइक करने और फिर भी कॉल को चुनौती करने की इजाजत है, बशर्ते इससे खेल पर कोई असर न पड़े। नागल ने कहा कि उनकी अपील इन दिशा-निर्देशों के अंतर्गत है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे एक ही पॉइंट पर 3 गलत कॉल मिले, जहां कोई कॉल नहीं आया, रेफरी ने चेक करने के लिए नीचे आने से मना कर दिया, और रेफरी ने मुझे अपील करते हुए नहीं देखा। आज मैं बहुत निराश और टूटा हुआ महसूस कर रहा था क्योंकि मैं अपना बचाव भी नहीं कर सका। उसके बाद उस पॉइंट से आगे बढ़ना मेरे लिए भावनात्मक तौर पर मुश्किल था।'

नागल ने टेनिस अंपायरिंग में जवाबदेही पर भी सवाल उठाते हुए लिखा, 'खिलाड़ियों को जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए सजा मिलती है।

लेकिन जब हम खिलाड़ी गलती करते हैं तो हमें पैसे की सजा क्यों मिलती है, और चेयर अंपायरों को क्यों नहीं? खिलाड़ियों पर पैसे कमाने के लिए जीतने का अतिरिक्त दबाव होता है। अंपायरों पर तुलना में कम दबाव होता है क्योंकि उन्हें पैसे पाने के लिए जीतने की जरूरत नहीं होती।

## फीफा वर्ल्ड कप के लिए फिटनेस जोखिम उठाने को तैयार बुकायो साका, बोले- इंग्लैंड के लिए देना है अपना बेस्ट

**कैनसस सिटी।** इंग्लैंड के स्टार विंगर बुकायो साका ने फीफा वर्ल्ड कप में अपनी टीम के पहले मुकाबले से पूर्व बड़ा बयान दिया है। एचिलिस की चोट से जूझ रहे साका ने कहा कि वह इंग्लैंड की विश्व कप उम्मीदों के लिए अपनी फिटनेस पर जोखिम उठाने को भी तैयार हैं। इंग्लैंड का पहला मुकाबला गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ खेला जाना है।

यह मैच बुकायो साका के लिए बेहद खास भी होगा, क्योंकि वह इंग्लैंड की ओर से अपना 50वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने जा रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से वह एचिलिस की समस्या से परेशान रहे हैं। इसी चोट के कारण वह मार्च में हुए अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से बाहर रहे थे और अपने फुटबॉल क्लब आर्सनल के लिए भी सात मुकाबले नहीं खेल सके थे।

हालांकि चोट से उबरने के बाद बुकायो साका ने शानदार वापसी की और आर्सेनल फुटबॉल क्लब को 22 वर्षों बाद प्रीमियर लीग खिताब जीतने में मदद की। विश्व कप से पहले कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के अंतिम अभ्यास मैच में भी उन्होंने केवल 27 मिनट ही मैदान पर बिताए थे, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। इन सवालों के जवाब में बुकायो साका ने कहा कि मार्च से अब तक आर्सेनल फुटबॉल क्लब के मैनेजर मिकेल आर्टेटा, क्लब की मेडिकल टीम, इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल और राष्ट्रीय टीम की मेडिकल टीम ने उनकी फिटनेस को बेहतरीन तरीके से संभाला है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई महीनों की तुलना में अब खुद को काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं और टीम के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं।

जब उनसे पूछा गया कि पूरी तरह फिट न होने के बावजूद लोगों द्वारा उनके प्रदर्शन का आकलन किया जाना क्या निराशाजनक लगता है, तो बुकायो साका ने कहा कि यह एक ऐसा जोखिम है जिसे खिलाड़ी अक्सर उठाते हैं। उन्होंने कहा कि मैदान में उतरने के बाद लोग आपकी शारीरिक स्थिति नहीं देखते, बल्कि केवल प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415